▪ फाल्गुन कृष्णा - 14 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 213 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 27-02-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 असम में 80,000 करोड़ की सड़क परियोजनाओं पर काम जल्द शुरू होगा

6 जब नेताजी को भारत को सौंप रहा था रूस?

7 महाकुंभ में जीवन और आसक्ति के बीच द्वंद्व का हुआ अहसास

## फर्स्ट टेक

### महाकुंभ के अंतिम दिन वायु सेना का एयर शो

महाकुंभनगर। महाकुंभ में महाशिवरात्रि पर अंतिम अमृत स्नान के दिन वायु सेना के विमानों ने भी आसमान में एयर शो कर दुनिया भर को चकित कर देने वाले इस महाआयोजन को एक तरह से सलामी दी। वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने प्रयागराज के आसमान में उडान भर कर अपनी ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया। लड़ाकू विमानों की गर्जना से आसमान थर्रा उठा। इस एयर शो के पल महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले वाले श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय अनुभव बन गये।

| | |
|---|---|
| सूर्यास्त 27-02-2025 6:28 बजे | सूर्योदय 28-02-2025 6:38 बजे |
| BSE 74,602.12 (+147.71) | NSE 22,547.55 (-5.8) |
| सोना 9,042 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 97,651रु. प्रति किलो |

### मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

#### कद की भद

है लोकतंत्र में नहीं खुदा,
कोई भी मंत्री या सांसद।
सब संविधान के हैं अधीन,
सबको है खबर सभी की हद।
करते विरोध जो जायज का,
कुछ वोटों का पा करके मद।
विस्मृत करके वे अपना कद,
उड़वाते हैं खुद की खुद भद।।

वाराणसी में नागा साधु बुधवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर अपनी भक्ति व्यक्त करने और प्रार्थना करने के लिए एकत्रित हुए।

## महाशिवरात्रि पर संगम पर एक साथ दिखे भारत के विविध रंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। प्रयागराज में पिछली 13 जनवरी को शुरू हुए आस्था के सबसे बड़े संगम महाकुंभ के अंतिम दिन महाशिवरात्रि पर देश के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री पवित्र संगम स्थल पर डुबकी लगाने के लिए एकत्र हुए और झांझ की झंकार, पवित्र मंत्र और भारत के विविध रूप दिखाने वाले रंग त्रिवेणी संगम पर एक दूसरे में घुल-मिल गये। प्रयागराज में महाकुंभ पिछली 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) को शुरू हुआ था और इसमें नागा साधुओं के भव्य जुलूस और तीन 'अमृत स्नान' हुए। इस विशाल धार्मिक समागम में अब तक रिकॉर्ड 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री शामिल हुए हैं।

महाकुंभ के अंतिम शुभ स्नान की वजह से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आधी रात के करीब संगम के तट पर एकत्र होने लगे थे। उनमें से अनेक लोग 'ब्रह्म मुहूर्त' में डुबकी लगाने के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहे थे, जबकि उनमें से कई ने नियत समय से बहुत पहले ही स्नान अनुष्ठान कर लिया था। उनमें पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के रहने वाले चार दोस्त भी थे, जिन्होंने स्नान अनुष्ठान के लिए घाट पर जाने से पहले चमकीले पीले रंग की धोती पहनी थी। बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाले आकाश पाल, कंटेंट राइटर अभिजीत चक्रवर्ती, फार्मास्युटिकल क्षेत्र में काम करने वाले राजा सोनवानी और वकील अभिषेक पाल के अलग-अलग करियर हैं, लेकिन वे महाकुंभ में महाशिवरात्रि का त्योहार मनाने की इच्छा में एकजुट हैं।

आकाश पाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम दोस्त हैं और हम पश्चिम बंगाल से प्रयागराज तक कार से गए और फिर जहां वाहन ले जाने की अनुमति नहीं थी वहां से हम संगम स्थल तक पैदल गए। इस शानदार आध्यात्मिक जमावड़े का हिस्सा बनना अद्भुत लगता है, खासकर इस शुभ दिन पर। पश्चिम बंगाल के तीर्थयात्री दुर्गापुर और कूच बिहार जैसे स्थानों से भी आए थे। साथ ही, 'जय गंगा मैया', 'हर हर महादेव', 'सीता राम' के जयकारे हवा में गूंज रहे थे। साथ ही कई भक्तों द्वारा बजाए जा रहे झांझ की मधुर झंकार भी गूंज रही थी। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के रूप में स्थापित हो चुके इस विशाल धार्मिक उत्सव ने अपने अंतिम दिन न केवल देश के चारों कोनों से बल्कि पड़ोसी नेपाल से भी तीर्थयात्रियों को आकर्षित किया।

## अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण शोषण नहीं, पारस्परिक लाभकारी संबंधों पर आधारित : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफ्रीका महाद्वीप में अपना प्रभाव बढ़ाने की चीन की लगातार कोशिशों के बीच बुधवार को कहा कि अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण संबंधों के ''शोषणकारी'' मॉडल से नहीं, बल्कि परस्पर लाभकारी साझेदारी बनाने की गहरी प्रतिबद्धता से प्रेरित है। जयशंकर ने कहा कि भारत और जापान अपनी पूरक शक्तियों के साथ अफ्रीका के विकास को सतत और समावेशी तरीके से समर्थन देने की स्थिति में हैं।

विदेश मंत्री ने 'जापान-भारत-अफ्रीका व्यापार मंच' पर अपने व्याख्यान के दौरान कहा, अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण हमेशा दीर्घकालिक, पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने की गहरी प्रतिबद्धता से प्रेरित रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत संबंधों के शोषणकारी मॉडल के विपरीत क्षमता निर्माण, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में विश्वास करता है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि अफ्रीकी देश न केवल निवेश से लाभान्वित हों, बल्कि विकास के लिए आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित करें।''

जयशंकर ने कहा कि भारत अफ्रीका का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा उनके बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है और यह लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने अफ्रीका की संपर्क सुविधा और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता जताई है जिसके तहत भारत ने 12 अरब डॉलर से अधिक रियायती ऋण दिया है और रेलवे, बिजली उत्पादन, कृषि एवं जलापूर्ति जैसे क्षेत्रों में पूरे महाद्वीप में 200 से अधिक परियोजनाएं पूरी की हैं।

जयशंकर ने कहा कि बिजली संयंत्र, पारेषण लाइन, सीमेंट, चीनी एवं कपड़ा कारखानों, प्रौद्योगिकी उद्यान और रेलवे बुनियादी ढांचे समेत भारत की विकास परियोजनाओं ने स्थानीय रोजगार पैदा किए हैं तथा अफ्रीका में जीवन बदल दिया है। उन्होंने कहा कि अफ्रीका के साथ भारत का गहरा और दीर्घकालिक संबंध उसे भौगोलिक दृष्टि से या औद्योगिक मूल्य श्रृंखला में एक प्राकृतिक सेतु बना सकता है।उन्होंने कहा, भारत तेजी से सतत आर्थिक विकास के लिए तैयार है। यह अफ्रीका और पश्चिम एशिया में विस्तार करने की इच्छुक जापानी कंपनियों के लिए एक आदर्श केंद्र है। उन्होंने कहा, जापानी निवेश, भारत का ठोस औद्योगिक आधार और डिजिटल क्षमताएं तथा अफ्रीका की प्रतिभा एवं खपत मिलकर सभी हितधारकों के लिए लाभकारी परिणाम दे सकती हैं।

जयशंकर ने कहा कि भारत और जापान खासकर महत्वपूर्ण और उभरते क्षेत्रों में अफ्रीकी देशों के लिए लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने की दिशा में भी सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अफ्रीका की वृद्धि और समृद्धि से न केवल उसके लोगों को लाभ होगा, बल्कि व्यापक वैश्विक स्थिरता एवं आर्थिक प्रगति में भी योगदान मिलेगा। उन्होंने कहा, 'भारत और जापान अपनी पूरक शक्तियों के साथ अफ्रीका के विकास को सतत और समावेशी तरीके से समर्थन देने की स्थिति में हैं।'

## बम हमले के अलर्ट को लेकर अमेरिका का नौसैन्य हवाई अड्डा कई घंटों तक बंद रहा

रोम/एपी/दक्षिण भारत। इटली में अमेरिका का एक नौसैन्य हवाई अड्डा बुधवार को सुरक्षा बलों को वहां संभावित कार बम धमाके का अलर्ट प्राप्त होने के बाद कई घंटों तक बंद रहा। हालांकि, बाद में अधिकारियों ने संदिग्ध वस्तु की जांच की और पाया कि इससे कोई खतरा नहीं है। अमेरिकी नौसेना की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, सुरक्षा बलों को सिगोनेला नौसैन्य हवाई अड्डे (एनएएस) को विस्फोटकों से लदी कार से निशाना बनाए जाने को लेकर सतर्क किया गया था, जिसके बाद प्राधिकारियों ने जांच के लिए हवाई अड्डे के एक हिस्से को खाली करा दिया और पूरे परिसर को बंद कर दिया।

बयान के अनुसार, इतालवी पुलिस और बम निरोधक दस्ते के कर्मियों ने संदिग्ध वस्तु की जांच की और पाया कि इससे कोई खतरा नहीं है। इटली के एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने बताया कि एक गलत सुरक्षा अलर्ट के कारण सभी आवश्यक प्रक्रियाएं बाधित हो गईं।

इससे पहले, खबर आई थी कि सिगोनेला नौसैन्य हवाई अड्डा अज्ञात घटना के कारण कई घंटों तक बंद रहा। हवाई अड्डे के आधिकारिक फेसबुक पेज पर जारी शुरुआती पोस्ट में कहा गया था, सिगोनेला को एक घटना के कारण बंद कर दिया गया है। पोस्ट के मुताबिक, जो कुछ भी हुआ, वह नौसैन्य हवाई अड्डे के द्वार पर हुआ। इसमें कर्मचारियों से आग्रह किया गया था कि वे हाईवे एसपी105 पर मारिनाई हाउसिंग कॉम्प्लेक्स और हवाई अड्डे के एक हिस्से के बीच यात्रा करने से बचें।

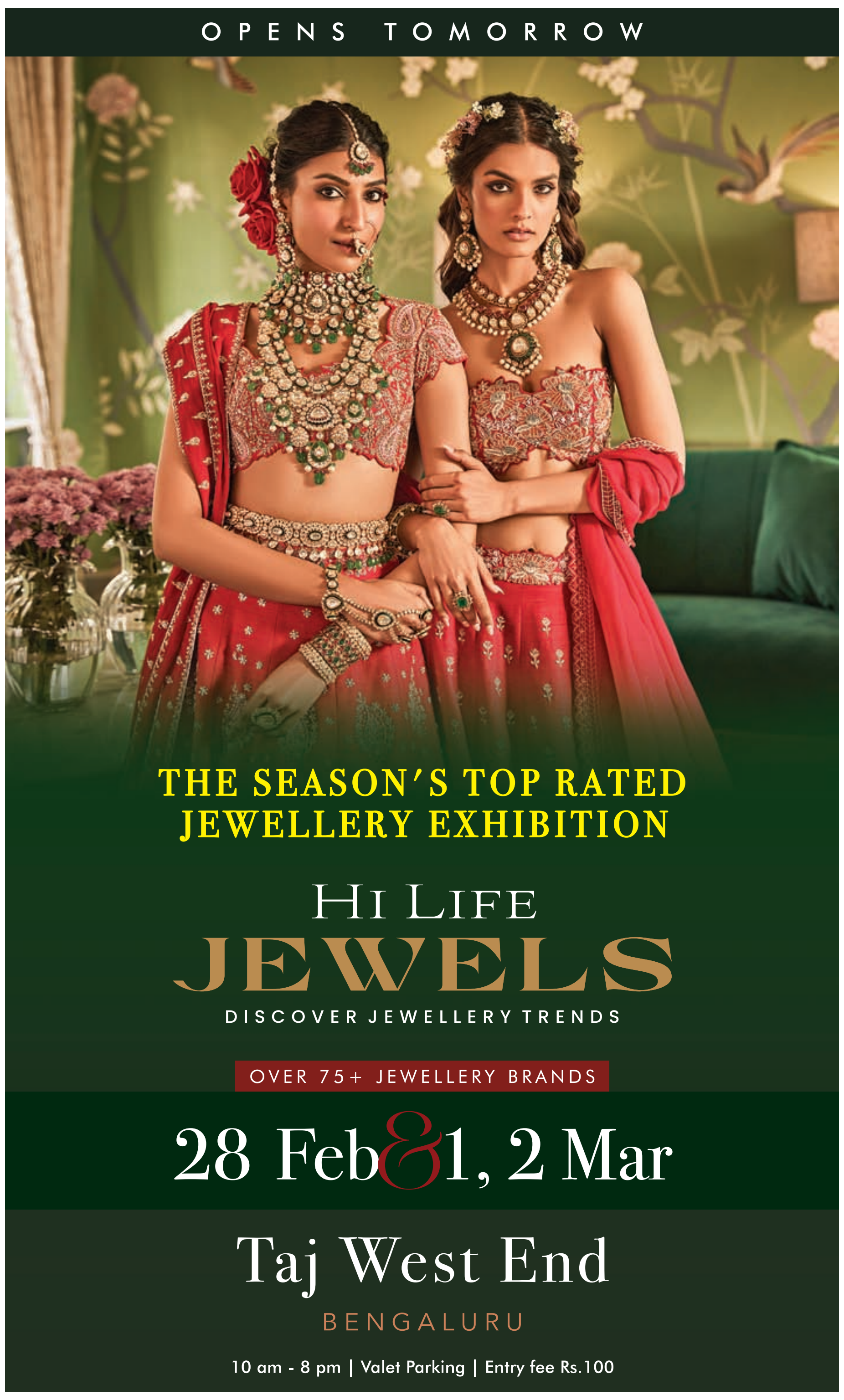


## 'भारत के ऊर्जा क्षेत्र में असम प्रमुख खिलाड़ी'

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बना हुआ है, जहां विशाल हाइड्रोकार्बन भंडार और कुशल कार्यबल है। मुख्यमंत्री ने यहां 'एडवांटेज असम 2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन' के समापन के दिन कहा कि असम ने चार चालू रिफाइनरियों और 74.5 लाख टन की संयुक्त शोधन क्षमता के साथ भारत के तेल उद्योग में अग्रणी भूमिका निभाई है, जिससे देश को ईंधन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। असम की ऊर्जा क्षमता का पूर्ण इस्तेमाल: भविष्य के लिए तैयार तेल व गैस अवसंरचना का निर्माण, नवाचार व वैश्विक ऊर्जा परिवर्तनों में निवेश विषय पर आयोजित सत्र में उन्होंने कहा कि तेल उद्योग ने 19वीं सदी के अंत में गति पकड़ी थी। देश के प्राकृतिक गैस भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा राज्य में है और यह भारत की आधी प्राकृतिक गैस का उत्पादन करता है। इस सत्र में तेल व गैस क्षेत्र में असम की रणनीतिक पहल पर चर्चा की गई, जिसमें वैश्विक ऊर्जा बदलावों के अनुरूप ऊर्जा अवसंरचना विकास, नवाचार तथा निवेश अवसरों पर विशेष ध्यान दिया गया।

# 'हाई लाइफ ज्वेल्स' में दिखेगी शानदार आभूषणों की चमक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु/दक्षिण भारत।** भारत का मशहूर ज्वेलरी शो 'हाई लाइफ ज्वेल्स' अपने शानदार आभूषणों की चमक बिखेरने के लिए तैयार है। इसका आगाज 28 फरवरी को ताज वेस्ट एंड में होगा। यह आयोजन 2 मार्च तक जारी रहेगा। इसके आयोजकों ने बताया कि हाई लाइफ ज्वेल्स लग्जरी और अद्भुत कौशल का जश्न है। यह प्रतिभा और कलात्मकता का असाधारण प्रदर्शन है। यहां भारत के मशहूर ज्वेलर्स द्वारा तैयार की गईं हेरिटेज, ब्राइडल, समकालीन और स्टेटमेंट ज्वेलरी की शानदार रेंज देखने को मिलेगी। इसमें चमकदार हीरे, पोल्की, अनूठी टेंपल ज्वेलरी और बहुत कुछ शामिल है। उन्होंने कहा कि चाहे आप किसी खास मौके के लिए भव्यता चाहते हों या अपने कलेक्शन के लिए अनूठे खजाने की तलाश में हों, यह बेहतरीन आभूषणों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है।

# राजौरी में आतंकवादियों ने सेना के वाहन पर गोलीबारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**राजौरी/जम्मू/भाषा।** जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक अग्रिम गांव में बुधवार को संदिग्ध आतंकवादियों ने सेना के एक वाहन पर गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि सुंदरबनी सेक्टर के फाल गांव के पास थोड़ी देर हुई गोलीबारी में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि माना जा रहा है कि जंगल में छिपे आतंकवादियों ने इलाके से गुजर रहे सेना के वाहन पर गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने बताया कि सैनिकों ने जवाबी गोलीबारी की, जबकि आतंकवादियों को खत्म करने के लिए अतिरिक्त बल भेजा गया है। सेना ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

# कश्मीर घाटी में मनाई गई महाशिवरात्रि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**श्रीनगर/भाषा।** कश्मीर में हिंदू समुदाय ने बुधवार को महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में स्थानीय हिंदू सुबह-सुबह भगवान शिव की पूजा करने के लिए जबरवान पहाड़ियों पर स्थित शंकराचार्य मंदिर पहुंचे। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर दर्जनों पर्यटक भी मंदिर पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार श्रद्धालुओं ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में स्थित मार्तंड सूर्य मंदिर में भी पूजा-अर्चना की।

इस बीच, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हिंदू समुदाय को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। अब्दुल्ला ने एक्स' पर कहा, सभी को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं! यह पावन अवसर सभी के लिए शांति, समृद्धि और ईश्वरीय कृपा लेकर आए तथा हमें शक्ति, ज्ञान और सद्भाव प्रदान करें। हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने कश्मीरी पंडित समुदाय को हेराथ' की शुभकामनाएं दीं।

कश्मीरी पंडितों द्वारा मनाये जाने वाले हेराथ को हर या शिव की रात्रि के नाम से भी जाना जाता है। मीरवाइज ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर कहा, हेराथ के अवसर पर हमारे कश्मीरी पंडित भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं। प्रेम और सह-अस्तित्व के बंधन की बहाली के लिए प्रार्थना करें जो हमारी साझा विरासत का एक अंतर्निहित घटक है ।

# मलबे में फंसे लोगों का पता लगाने के लिए खोजी कुत्ते की मदद ली जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नगरकुरनूल/भाषा।** तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के निर्माणाधीन खंड के ढहने के कारण पिछले पांच दिन से उसमें फंसे आठ लोगों का पता लगाने के लिए बचाव कर्मी खोजी कुत्तों की मदद लेने की योजना बना रहे हैं। जिला अधिकारी बी संतोष ने बुधवार को यह जानकारी दी।

संतोष ने बताया कि सुरंग के अंदर कीचड़ और मलबा जमने लगा है। राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के आज मृदा स्थिरीकरण सहित अन्य मुद्दों पर अपनी राय देने की उम्मीद है, जिसके आधार पर कार्य योजना तैयार की जाएगी। बचाव कर्मियों और विशेषज्ञों की एक टीम मछली पकड़ने वाली हल्की नौका पर सवार होकर सुरंग के अंतिम छोर तक पहुंचकर वहां से लौटने में कामयाब रही, लेकिन अंदर फंसे लोगों का पता नहीं लगाया जा सका। उन्होंने पीटीआई-भाषा' से कहा, शुरुआत में (दुर्घटनास्थल से) 40 मीटर पहले तक ही पहुंचा जा सकता था, क्योंकि वहां कीचड़ था, लेकिन अब यह अधिकतम सीमा तक जम गया है। इसलिए टीम दुर्घटनास्थल तक जा सकती है... हमारे पास एक खोजी कुत्ता है। हम उसे अंदर ले जाएंगे। खोजी कुत्ते की मदद से हम (फंसे हुए लोगों का) पता लगाने की कोशिश करेंगे। संतोष ने सुरंग में फंसे लोगों को बचाना प्रशासन की प्राथमिकता बताया। अधिकारियों को उम्मीद है कि कन्वेयर बेल्ट' आज काम करना शुरू कर देगी और आगे की खुदाई के लिए टनल बोरिंग मशीन' के आसपास थोड़ी जगह बनानी होगी। संतोष के अनुसार, मंगलवार रात दुर्घटनास्थल पर पहुंची टीम ने फंसे हुए लोगों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

# आबकारी नीति मामला : दिल्ली की अदालत ने ईडी को आरोपियों को कागजात मुहैया कराने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कथित आबकारी घोटाले से संबंधित दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ धन शोधन के एक मामले में आरोपी व्यक्तियों को कुछ दस्तावेज सौंपने का निर्देश दिया है।

विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने 25 फरवरी को कई आरोपियों द्वारा दायर आवेदनों पर यह आदेश दिया। आरोपियों ने अपने आवेदनों में दावा किया था कि उन्हें मामले में दायर आरोपपत्र से संबंधित कुछ दस्तावेज नहीं मिले हैं। अदालत वर्तमान में दस्तावेजों की जांच कर रही है। अदालत ने मामले में सुनवाई के लिए तीन मार्च की तारीख तय की। इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह भी आरोपी हैं। न्यायाधीश ने कहा, अगली सुनवाई की तारीख यानी तीन मार्च को आगे की कार्यवाही के लिए प्रस्तुत करें। धन शोधन का मामला दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना द्वारा आबकारी नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं की जांच की सिफारिश करने के बाद दर्ज किए गए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक मामले से सामने आया है। सीबीआई और ईडी के अनुसार, नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। दिल्ली सरकार ने 1% नवंबर, 2021 को नीति लागू की और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आने पर सितंबर 2022 के अंत तक इसे रद्द कर दिया।

# दिल्ली हवाई अड्डे को टर्मिनल-2 अप्रैल से अस्थायी रूप से रहेगा बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली हवाई अड्डा परिचालक डायल ने बुधवार को कहा कि टर्मिनल 2 (टी2) के अप्रैल से चार से पांच महीने के लिए बंद रहने की संभावना है। इस अवधि के दौरान अपग्रेडेशन' के लिए एक रनवे भी बंद रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) में तीन टर्मिनल टी1, टी2 और टी3 हैं। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विदेह कुमार जयपुरियार ने बुधवार को कहा कि टी-1 पर कार्य 15 मार्च तक पूरा होने की उम्मीद है और अपेक्षित मंजूरी मिलने के बाद इसे उड़ानों के लिए खोल दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि टी-2 को अप्रैल में चार से पांच महीने के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। टी-2 के करीब 1.5 करोड़ यात्रियों को टी-1 पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। यात्रियों की बढ़ती संख्या के कारण हवाई अड्डा संचालक टी-3 के उस हिस्से को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए खोलेंगे जहां से वर्तमान में घरेलू उड़ानों का परिचालन होता है। इस हवाई अड्डे पर सालाना करीब 10.9 करोड़ यात्रियों की आवाजाही होती है।

# गोदावरी नदी में डूबने से पांच की मौत

**ताड़ीपुड़ी/भाषा।** आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में बुधवार की सुबह नहाने गए 12 लोगों के एक समूह में से पांच लोग गोदावरी नदी में डूब गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह करीब साढ़े आठ बजे ताड़ीपुड़ी गांव के तल्लापुडी मंडल में हुआ। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, गोदावरी नदी में नहाने गए 12 लोगों में से पांच डूब गए जबकि सात किसी तरह बचने में सफल रहे। समूह के लोग स्नान के बाद महाशिवरात्रि पर्व पर पास के एक मंदिर जाने वाले थे। मृतकों और जीवित बचे लोगों में अधिकतर की उम्र 20 वर्ष से कम बताई जा रही है। पुलिस, दमकल सेवा और स्थानीय लोग डूबे हुए लोगों की तलाश कर रहे हैं।

# सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को यहां प्रसिद्ध भगवान श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की। मंदिर के प्रवक्ता ने बताया कि जनरल चौहान और उनकी पत्नी सुबह सात बजे मंदिर पहुंचे और सात बज कर दस मिनट तक दर्शन पूरे कर लिए। उनके साथ वायुसेना की दक्षिणी कमान के कुछ अधिकारी भी थे। प्रवक्ता ने बताया कि मंदिर प्रशासन की ओर से अधिकारियों ने उन्हें एक कैलेंडर और भगवान पद्मनाभ स्वामी की एक तस्वीर भेंट की। सूत्रों ने बताया कि जनरल चौहान कमान के मुख्यालय में एक सेमिनार में भाग लेने के लिए तिरुवनंतपुरम में थे।

# प्रधानमंत्री मोदी से मिले रेवंत रेड्डी, हैदाबाद मेट्रो के दूसरे चरण की मंजूरी का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर हैदराबाद मेट्रो के दूसरे चरण को मंजूरी देने का आग्रह किया और कुछ अन्य विषयों पर बात की।

तेलंगाना सरकार के सूचना विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। विज्ञप्ति में कहा गया है, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को दूसरे चरण की रेल परियोजना के बारे में जानकारी दी, जिसके तहत हैदराबाद में %6.4 किलोमीटर का मार्ग होगा।

मुख्यमंत्री ने 24,269 करोड़ की मेट्रो रेल परियोजना को तत्काल मंजूरी देने का आग्रह किया।

रेड्डी ने क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के दक्षिणी हिस्से तथा सेमीकंडक्टर मिशन' को मंजूरी देने का भी प्रधानमंत्री से आग्रह किया।

# स्वारगेट में बलात्कार : प्रदर्शनकारियों ने बस स्टेशन के सुरक्षा कार्यालय में तोड़फोड़ की

**पुणे/भाषा।** महाराष्ट्र के पुणे में स्वारगेट बस डिपो में खड़ी महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की बस के अंदर एक महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार किए जाने की घटना के खिलाफ शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता वसंत मोरे के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को उक्त डिपो के सुरक्षा कार्यालय में तोड़फोड़ की। शिवसेना (उबाठा) के कार्यकर्ताओं ने सुरक्षा कार्यालय की खिड़कियों के शीशे और वहां रखे फर्नीचर तोड़ दिए जबकि महिला कार्यकर्ताओं ने इस घटना को लेकर भाजपा नीत महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। स्वारगेट बस डिपो में खड़ी एमएसआरटीसी की शिव शाही एसी बस के अंदर मंगलवार सुबह 26 वर्षीय एक महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया था।

# इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को धमकी देने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

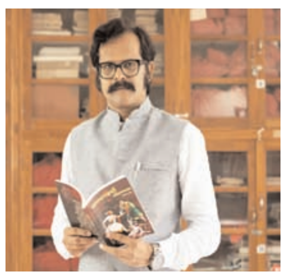

**मुंबई।** महाराष्ट्र की कोल्हापुर पुलिस ने इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को धमकी देने और छत्रपति शिवाजी महाराज एवं उनके पुत्र संभाजी महाराज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सावंत महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर में रहते हैं। उन्हें मंगलवार सुबह फोन आया था। फोन करने वाले ने अपना नाम प्रशांत कोराटकर' बताया और कथित तौर पर ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिश के लिए उन्हें जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि फोन करने वाले ने मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के खिलाफ भी अपमानजनक टिप्पणी की। पुलिस फोन करने वाले की पहचान की पुष्टि कर रही है। अधिकारी ने कहा कि सावंत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोन करने वाले की ऑडियो क्लिप' साझा की और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए कोल्हापुर में जूना रजवाड़ा पुलिस से भी संपर्क किया।

# ईडी ने अवैध' इंटरनेट फार्मेसी के खिलाफ पीएमएलए जांच के तहत करोड़ों रुपये की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े एक धनशोधन मामले की जांच के तहत मध्यप्रदेश में करीब आठ करोड़ रुपये के कई भूखंड और बैंक जमाराशि कुर्क की है। यह कार्रवाई हैदराबाद स्थित एक इकाई के खिलाफ की गई है जो एक अवैध'' इंटरनेट फार्मेसी' चलाती थी। ईडी ने एक बयान में कहा कि उसके हैदराबाद कार्यालय ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जेआर इन्फिनिटी प्राइवेट लिमिटेड', इसके प्रवर्तक आशीष जैन और उनके परिवार के सदस्यों की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क करने का आदेश जारी किया है।

ईडी की जांच स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आरोपियों के विरूद्ध मई 2022 में दर्ज करायी गयी शिकायत पर आधारित है। निदेशालय के अनुसार जैन जे आर इन्फिनिटी प्राइवेट लिमिटेड' के परिसर से एक अवैध'' इंटरनेट फार्मेसी' चला रहा था और टैबलेट के रूप में अल्प्राजोलम, जोलपिडेम, लोराजेपाम, क्लोनाजेपाम, हाइड्रोकोडोन और ऑक्सीकोडोन जैसे मादक (मन:औषधि) पदार्थों का निर्यात कर रहा था। ईडी ने दावा किया कि उसने टेलीमार्केटिंग कॉल सेंटर' सेवाएं और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (वेबसाइट को सुगम, प्रासंगिक और लोकप्रिय बनाने संबंधी प्रक्रिया)' सेवाएं प्रदान करने की आड़ में ऐसा किया। आरोपी या उसके परिवार पर ईडी द्वारा लगाए गए आरोपों के सिलसिले में प्रतिक्रिया के वास्ते तत्काल संपर्क नहीं हो पाया है। ईडी ने आरोप लगाया कि जैन ने स्वापक औषधि एवं मनप्रभावी पदार्थ अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए विदेशी ग्राहकों को अवैध रूप से अल्प्राजोलम, ट्रामाडोल, डायजेपाम आदि जैसे साइकोट्रोपिक पदार्थों का निर्यात करने के लिए जेआर इनफिनिटी प्राइवेट लिमिटेड' का गठन किया और इस तरह अपराध की कमाई' अर्जित की। निदेशालय का कहना है कि जांच में पाया गया कि उक्त कंपनी के गठन से पहले ही जैन और उनके परिवार के सदस्यों ने बिना किसी वास्तविक कारोबार के अपने निजी बैंक खातों में 4.50 करोड़ रुपये की विदेशी धनराशि प्राप्त की थी और यह धनराशि विदेशों में दवाओं की अवैध बिक्री के एवज में प्राप्त की गई थी।

ईडी के अनुसार इस अपराध से कुल 12.%6 करोड़ रुपये की कमाई हुई। जांच एजेंसी ने पाया कि इस धनराशि का उपयोग आशीष जैन तथा उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर सावधि जमा और कई अचल संपत्तियों की खरीद के लिए किया गया।

# सूरत के कपड़ा बाजार में 24 घंटे से भी कम समय में दूसरी बार लगी आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**सूरत/भाषा।** गुजरात के सूरत शहर में चार मंजिला एक कपड़ा बाजार में बुधवार सुबह 24 घंटे से भी कम समय में दूसरी बार भीषण आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि उक्त इमारत में 800 से अधिक दुकानें हैं और आग से इनमें से कई को नुकसान पहुंचा है, लेकिन घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

अधिकारी के मुताबिक, इससे पहले मंगलवार को इमारत के बेसमेंट में आग लगने से वहां मौजूद एक श्रमिक की दम घुटने से मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि इमारत के बेसमेंट में कपड़े रखे हुए थे और आग पर कुछ घंटों में काबू पा लिया गया। अधिकारी के अनुसार, बुधवार को चार मंजिला इमारत में लगी आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की करीब 30 गाड़ियों और कई कर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि आग लगने की वजह का पता लगाने के प्रयास जारी हैं, लेकिन प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि शॉर्ट सर्किट के कारण ऊपरी मंजिल में आग लगी।

अधिकारी के मुताबिक, इमारत से धुएं का घना गुबार उठता हुआ नजर आ रहा था। 'फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन' (एफओएसटीटीए) के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने कहा कि स्थिति गंभीर है। उन्होंने कहा, अग्निशमन विभाग, पुलिस और एफओएसटीटीए की टीम आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन लपटें लगातार भड़क रही हैं। स्थिति गंभीर है। पूरे शहर से अग्निशमनकर्मी यहां पहुंच गए हैं और हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि स्थिति जल्द से जल्द नियंत्रण में आ जाए।''

# मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं, मेरे भाजपा से नजदीक होने की अफवाह दुष्प्रचार है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा से नजदीकियों की अफवाहों को खारिज करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को स्पष्ट रूप से कहा कि वह जन्मजात कांग्रेसी हैं और इसमें कोई बदलाव नहीं आएगा। सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, बहुत सारी अफवाहें फैलाई जा रही हैं, यह सब दुष्प्रचार का हिस्सा है। सद्गुरु घर आए और ईशा फाउंडेशन में महाशिवरात्रि समारोह के लिए निमंत्रण दिया। सद्गुरु मैसूर से हैं और मैं उनके काम की सराहना करता हूं। पिछले साल मेरी बेटी शिवरात्रि के लिए वहां गई थी। इस बार सद्गुरु ने मुझे व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया और मैं कार्यक्रम में शामिल होऊंगा। सोशल मीडिया पर अफवाहें हैं कि मैं इस वजह से भाजपा से नजदीक हो रहा हूं। वह एआईसीसी महासचिव के सी वेणुगोपाल से अपील के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे कि उन्हें केपीसीसी अध्यक्ष के रूप में जारी रखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैं हिंदू हूं और अपनी संस्कृति का सम्मान करता हूं। कांग्रेस पार्टी सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। महात्मा गांधी, नेहरू और इंदिरा गांधी ने पार्टी के इसी दर्शन का पालन किया है। मैंने सोनिया गांधी को उगादी उत्सव मनाते देखा है, वह हम में से कई लोगों से ज्यादा भारतीय हैं। हमारे एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम का मतलब शिव है, क्या उन्होंने अपना नाम बदल लिया है। यह पूछे जाने पर कि क्या ईशा फाउंडेशन में महाकुंभ और महाशिवरात्रि समारोह में भाग लेने के कारण ऐसी अफवाहें फैलाई जा रही हैं, उन्होंने कहा, मैं हिंदू पैदा हुआ हूं और हिंदू ही मरूंगा। मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं। मैंने जेल में रहते हुए सिख धर्म, जैन धर्म के बारे में सीखा। मैं चर्च और दरगाह भी जाता हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या शशि थरूर के भाजपा के करीब जाने की खबरों के बाद उनके भाजपा के करीब आने की अफवाहें शुरू हुई हैं, उन्होंने कहा, कांग्रेस एक महान पार्टी है और इसका अपना इतिहास और संस्कृति है। कुछ लोग जल्दबाजी में निर्णय ले सकते हैं, लेकिन इससे पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। नेता आते-जाते रहते हैं, लेकिन पार्टी स्थायी है।

कुमारस्वामी की इस आलोचना के बारे में पूछे जाने पर कि वे केम्पेगौड़ा का नाम खराब करना चाहते हैं, उन्होंने कहा, कुमारस्वामी सिर्फ़ राजनीति करना जानते हैं। उन्होंने कौन सा अच्छा काम किया है? उनकी सरकार ने बिना किसी योजना के बेंगलूरु का विस्तार उसकी सीमाओं से बाहर क्यों किया। उन्हें आलोचना करने दीजिए, मैं अपनी प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ूंगा। जब हमने रामनगर का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण करने की कोशिश की, तो कुमारस्वामी ने अपने पद का इस्तेमाल करके केंद्रीय गृह मंत्री को इस बदलाव को मंज़ूरी न देने के लिए प्रभावित किया। हम जानते हैं कि ऐसी चीज़ों से कैसे निपटना है। मैं अभी इस बारे में बात नहीं करना चाहता। मोहनदास पई द्वारा बढ़ती आलोचना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, वे वरिष्ठ हैं और मैं उनका सम्मान करता हूँ। उन्हें राजनीति में आने दीजिए और सांसद बनने दीजिए, तब उन्हें बदलाव लाने की कठिनाई का एहसास होगा। न्यायालय ने हमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के मामले में अनुमति नहीं दी है, फिर भी कुमारस्वामी शोर मचा रहे हैं कि 15,000 करोड़ रुपये की लूट हुई है। हो सकता है कि कुमारस्वामी सत्ता में रहते हुए ऐसा कर रहे हों।

# केंद्र को मेकेदाटु पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को केंद्र से राज्य में कावेरी नदी के मेकेदातु जलाशय पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। जल संसाधन विभाग का प्रभार संभाल रहे शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल और राज्यमंत्री वी सोमन्ना के समक्ष मेकेदातु का मुद्दा उठाया।

शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''मैंने केंद्र से पूछा, मेकेदातु मुद्दे पर आपका क्या रुख है?' हम इसके लिए दबाव डाल सकते हैं, या वे इसका विरोध कर सकते हैं, या वे मना भी कर सकते हैं – लेकिन उन्हें अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हमने मेकेदातु संतुलन जलाशय के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया क्योंकि हम इसमें और देरी नहीं चाहते। हमने केंद्रीय मंत्री से केंद्र के रुख पर स्पष्ट बयान देने को कहा।''

शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक चाहता है कि केंद्र सरकार मेकेदातु मुद्दे पर अपने रुख से उच्चतम न्यायालय को अवगत कराए ताकि कर्नाटक और तमिलनाडु, दोनों को इसका लाभ मिल सके। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार राजनीतिक कारणों से इस परियोजना का विरोध कर रही है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शिवकुमार की पार्टी कांग्रेस की सहयोगी है।

शिवकुमार ने कहा, ''उसे (तमिलनाडु को) डर है कि यदि मेकेदातु जलाशय बन गया तो हम उनके लिए समस्या खड़ी करेंगे जबकि ऐसा नहीं है।'' पड़ोसी राज्य तमिलनाडु ने इस परियोजना का कड़ा विरोध करते हुए यह चिंता व्यक्त की है कि इससे राज्य की जल आपूर्ति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। शिवकुमार ने पेन्नार नदी से संबंधित मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया।

# कर्नाटक में आर्थिक विकास और परिवेशी स्थिरता का साथ होना दूसरे राज्यों के लिए एक मॉडल : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बेंगलूरु में एक ग्रासलैंड रिजर्व की घोषणा का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि कर्नाटक सरकार इस बात का उदाहरण है कि कैसे आर्थिक विकास, सामाजिक विकास और पारिस्थितिकी स्थिरता साथ-साथ चल सकते हैं। रमेश ने यह भी कहा कि कर्नाटक अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल है।

पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, मई 2023 से कर्नाटक सरकार राज्य में बहुत सारे नए निवेश आकर्षित कर रही है। यह ऐतिहासिक आय सहयोग, खाद्य सुरक्षा और अन्य गारंटी भी लागू कर रही है। उनके मुताबिक, अब कर्नाटक सरकार ने वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत बेंगलूरु शहरी जिले के येलहंका तालुक में लगभग 5,700 एकड़ सरकारी भूमि को ग्रेटर हेसरघट्टा ग्रासलैंड कंजर्वेशन रिजर्व घोषित करने का साहसिक निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि यह ग्रासलैंड रिजर्व कई कारणों से महत्वपूर्ण है। यह एक बड़े जलग्रहण क्षेत्र के रूप में आसपास के गांवों के किसानों के लिए भूजल पुनर्भरण में बहुत मदद करेगा और एक बड़े जलग्रहण क्षेत्र के रूप में यह बेंगलूरु शहर में पानी की आपूर्ति बढ़ाएगा। रमेश का कहना है कि यह एक प्राकृतिक कार्बन सिंक प्रदान करेगा जो शहरी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करेगा। उन्होंने कहा, यह एक समृद्ध जैव विविधता पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करता है जिसमें जानवर, कीड़े-मकौड़े, पौधे और पेड़ शामिल हैं, जिनमें से कई गंभीर खतरे में हैं। यह यूरोप, मध्य एशिया, हिमालयी क्षेत्रों और आर्कटिक सर्कल से आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए एक सुरक्षित आश्रय होगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि कर्नाटक सरकार यह प्रदर्शित कर रही है कि कैसे आर्थिक विकास, सामाजिक विकास और पारिस्थितिकी स्थिरता साथ-साथ चल सकते हैं, जैसा कि वास्तव में उन्हें हर समय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल है।

**महाशिवरात्रि महोत्सव :**

पूरे बेंगलूरु में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए श्रद्धालु बडी संख्या में पहुंच रहे थे। कर्नाटक राज्य के सभी बड़े शिव मंदिरों को आज फूलों से सजाया गया। मल्लेश्वरम् स्थित काडुमल्लेश्वरम् शिव मंदिर, बलेपेट स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर, डोमलूर स्थित शिवोहम शंकर मंदिर आदि में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही।

# मंत्री प्रियांक खरगे ने मोहनदास पई की आलोचना की, नकारात्मकता बढ़ाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने आईटी उद्योग के दिग्गज और इंफोसिस के पूर्व सीएफओ टी वी मोहनदास पई पर निशाना साधते हुए उन पर प्रदेश और यहां के लोगों के प्रति निरंतर 'नकारात्मकता' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने पई को भाजपा से जोड़ने की कोशिश करते हुए उनसे राज्य के हित में काम करने का आग्रह किया।

खरगे पई की 'एक्स' पर की गई पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्हें और राज्य सरकार को बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे को लेकर निशाना बनाया गया था। पई ने खरगे के एक पहले के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए 24 फरवरी को 'एक्स' पर लिखा, मंत्री प्रियांक खरगे हम यह सब जानते हैं, लेकिन हमें बताएं – हमारे मंत्री के रूप में आपने हमारे जीवन को बेहतर बनाने के लिए क्या किया है? आपने यह भी सुनिश्चित नहीं किया है कि शहर साफ हो, उसमें कोई गड्ढा न हो और अच्छे फुटपाथ हों! यह रॉकेट साइंस नहीं बल्कि नियमित रखरखाव का काम है।''

उन्होंने लिखा, 'कृपया मंत्री डीके शिवकुमार (उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास के प्रभारी) से बात करें ताकि हमें कम से कम एक साफ-सुथरा चलने लायक शहर मिल सके! क्या यह बहुत बड़ी मांग है? पिछले 2 साल में हमारा जीवन और भी दयनीय हो गया है!' पई की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए खरगे ने मंगलवार को पोस्ट किया कि शहर के बुनियादी ढांचे पर दबाव तेजी से विकास और जनसंख्या वृद्धि से उपजा है और सरकार इससे उसी तत्परता से निपट रही है जिसकी जरूरत है। उन्होंने पई को भाजपा से जोड़ने का प्रयास करते हुए कहा, मुझे यकीन है कि आपके नेता कर्नाटक और कन्नडिगा लोगों के प्रति आपकी निरंतर नकारात्मकता की सराहना कर सकते हैं, लेकिन मेरा विश्वास करें, यह दृष्टिकोण आपको कभी भी दिल्ली के करीब नहीं लाएगा।'' कांग्रेस नेता ने कहा, आप दिल्ली में सत्ता के गलियारों में सभी के करीब हैं, राज्य के हित में काम करते हैं। उन्होंने पई से पूछा, जब आपके विश्वगुरु नरेन्द्र मोदी कर्नाटक के साथ घोर तिरस्कार का व्यवहार करते हैं तो आप चुप क्यों रहते हैं? बेंगलूरु के साथ केंद्र सरकार के अन्याय' पर भाजपा सांसदों की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए मंत्री ने पई से पूछा, जब कंपनियों को दूसरे राज्यों में जाने के लिए मजबूर किया जाता है तो आप चुप क्यों रहते हैं? जब आपके नेताओं ने हमारे राज्य को एआई या सेमीकंडक्टर मिशन के हिस्से के रूप में नहीं चुना तो आपने इसकी निंदा क्यों नहीं की?

# आईआईएससी : एक मार्च को 'ओपन डे' पर परिसर का दौरा कर सकेंगे आम जन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) ने बुधवार को कहा कि एक मार्च को आयोजित होने वाले 'ओपन डे' के अवसर पर आगंतुक परिसर का दौरा कर सकेंगे। 'ओपन डे' का आयोजन आमतौर पर संस्थान के संस्थापक जे एन टाटा की जयंती के साथ-साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में किया जाता है। इस दिन, परिसर आम जनता के लिए सुबह नौ बजे से शाम 5.30 बजे तक खुला रहता है।

आईआईएससी ने एक विज्ञप्ति में कहा, सभी को परिसर का भ्रमण करने तथा रोमांचक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनियों व प्रयोगों का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इसमें कहा गया है कि 'ओपन डे' पर संस्थान के छात्र और शोधकर्ता अपने काम के साथ-साथ विज्ञान और इंजीनियरिंग में नई और रोमांचक प्रगति को भी आगंतुकों के समक्ष प्रदर्शित करेंगे। विज्ञप्ति के मुताबिक, परिसर में विभागों और केंद्रों पर लोकप्रिय व्याख्यान, पैनल चर्चा और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। 'ओपन डे' में प्रवेश निःशुल्क है।

# सिद्दरामय्या आग की तरह हैं, उन्हें कोई छू नहीं सकता : जमीर अहमद खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयनगर/भाषा। कर्नाटक मंत्रिमंडल के एक मंत्री बी. जेड. जमीर अहमद खान ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या आग की तरह हैं और कोई भी उन्हें या उनकी कुर्सी को नहीं छू सकता। खान ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब राज्य के नेतृत्व में बदलाव होने की अटकलें लगाई जा रही हैं, हालांकि उन्होंने इन अटकलों को भी खारिज कर दिया। खान ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बदलने की अटकलों को भी तवज्जो न देते हुए कहा कि सभी लोग पार्टी हाईकमान के फैसले का पालन करेंगे। सिद्दरामय्या के करीबी माने जाने वाले खान ने एक सवाल के जवाब में कहा, अभी मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है। यहां तक कि अध्यक्ष (कर्नाटक कांग्रेस) का पद भी खाली नहीं है। वर्तमान में डी. के. शिवकुमार अध्यक्ष हैं और सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री हैं। अगर यह खाली होगा तभी चर्चा हो सकती है। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, क्या कोई सिद्दरामय्या की कुर्सी को छू सकता है? यह आग की तरह है। अगर आप आग को छूते हैं तो आपके हाथ जल जाएंगे। सिद्दरामय्या आग की तरह हैं।

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री बदलने के मुद्दे पर दिए जा रहे बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए खान ने कहा, कोई कुछ भी कहे मुख्यमंत्री की कुर्सी अभी खाली नहीं है और सिद्दरामय्या आग की तरह हैं। अगर कोई उन्हें छूने की कोशिश करेगा तो वह जल जाएगा। हम उन्हें तगारू (नर भेड़) कहते हैं। इसलिए यह असंभव है।

कर्नाटक के राजनीतिक क्षेत्रों खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में ''रोटेशनल मुख्यमंत्री'' (बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनने) या ''सत्ता-साझाकरण'' फॉर्मूले के तहत किसी और के मुख्यमंत्री बनने की अटकलें लगाई जा रही हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं और उनके मुख्यमंत्री बनने की उनकी महत्वाकांक्षा भी किसी से छिपी नहीं है। खान ने जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस एक हाईकमान वाली पार्टी है, इसलिए पार्टी का हर व्यक्ति हाईकमान के निर्णय का पालन करेगा।

# बानू मुश्ताक के कहानी संग्रह का बुकर पुरस्कार सूची में शामिल होना गर्व की बात है : मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा की लेखिका बानू मुश्ताक के कन्नड़ लघुकथा संग्रह का अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2025 की लाँग लिस्ट में शामिल होना राज्य की भाषा और संस्कृति के लिए गर्व का विषय है। कर्नाटक की लेखिका, कार्यकर्ता और वकील बानू मुश्ताक की कन्नड़ से अंग्रेजी में अनूदित लघुकथा संग्रह 'हार्ट लैम्प' मंगलवार को लंदन में अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2025 की लाँग लिस्ट में जगह बनाने में सफल रही।

सिद्दरामय्या ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा कर लिखा, कन्नड़ साहित्य के लिए गर्व का क्षण है। बानू मुश्ताक का कन्नड़ लघुकथा संग्रह अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार की लाँग लिस्ट में शामिल हुआ है।

# कर्नाटक अद्वितीय विविधता वाला राज्य है, जहां प्राचीन विरासत आधुनिक नवाचार से मिलती है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यात्रा और पर्यटन की दुनिया में विचारों, अवसरों और साझेदारियों का एक संगमकर्नाटक इंटरनेशनल ट्रैवल एक्सपो 2025 का आयोजन यहां हुआ। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक हमेशा से ही लुभावने परिदृश्यों, गहरी जड़ों वाली विरासत, जीवंत संस्कृति और असीम संभावनाओं की भूमि रहा है। आज, जब हम इस प्रतिष्ठित आयोजन के द्वार खोल रहे हैं, तो हम कर्नाटक को दुनिया में सबसे अधिक पसंद किया जाने वाला पर्यटन स्थल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। यहां एकत्रित सभी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू टूर ऑपरेटरों, ट्रैवल एजेंटों, उद्योग जगत के नेताओं और मीडिया के सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूं। आपकी उपस्थिति कर्नाटक और इसकी विशाल पर्यटन क्षमता में बढ़ती वैश्विक रुचि को रेखांकित करती है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक अद्वितीय विविधता वाला राज्य है – जहां प्राचीन विरासत आधुनिक नवाचार से मिलती है, जहां अतीत की भव्यता वर्तमान की गतिशीलता के साथ सहज रूप से घुलमिल जाती है। हम्पी, बादामी और मैसूर की राजसी विरासत से लेकर तटीय कर्नाटक के शांत समुद्र तटों तक, चिकमगलुरु के कॉफी बागानों से लेकर नागरहोल के वन्यजीवों से भरपूर जंगलों तक, कर्नाटक यात्रियों के लिए स्वर्ग है।

हमारा राज्य 4 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों, 35 से अधिक राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों, प्राचीन हिल स्टेशनों, आध्यात्मिक केंद्रों, साहसिक आकर्षण स्थलों और देश के कुछ बेहतरीन वेलनेस रिट्रीट का घर है। कर्नाटक में प्राचीन मंदिर, जैन बसादी और सूफी तीर्थस्थल हैं जो हमारी विविध आस्थाओं और परंपराओं को दर्शाते हैं। पश्चिमी घाट एक रोमांचकारी पलायन प्रदान करते हैं, और हमारी जीवंत तटरेखाएँ उन लोगों का स्वागत करती हैं जो शांति और जल क्रीड़ा की तलाश में हैं।

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कर्नाटक को लगातार भारत के शीर्ष पर्यटन स्थलों में स्थान दिया गया है। कर्नाटक केवल एक गंतव्य नहीं है – यह एक भावना है। यह वह जगह है जहाँ अतीत भविष्य से मिलता है, जहाँ परंपरा आधुनिकता के साथ मिलती है, और जहाँ हर आगंतुक को घर मिलता है।

एक बेहतरीन यात्रा गंतव्य के लिए बेहतरीन कनेक्टिविटी और आतिथ्य की आवश्यकता होती है। कर्नाटक इस मामले में अग्रणी है। बेंगलूरु में केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने के साथ बेहतर हवाई संपर्क है। सड़क और रेल नेटवर्क में सुधार, जिससे यात्रा सहज और आनंददायक हो गई है। आलीशान रिसॉर्ट से लेकर होमस्टे तक एक मजबूत आतिथ्य पारिस्थितिकी तंत्र जो प्रामाणिक कर्नाटक अनुभव प्रदान करता है। स्थायी पर्यटन पहल, यह सुनिश्चित करती है कि हमारी प्राकृतिक सुंदरता आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रहे।

उन्होंनेकहा कि पिछले 2 वर्षों में, हमारी सरकार ने राज्य के पर्यटन क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे, उत्पादों और मानव संसाधन विकास के लिए 440 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया है। हमने हाल ही में कर्नाटक पर्यटन नीति 2024-29 लॉन्च की है जो विकास, नवाचार और जिम्मेदार पर्यटन की नींव रखती है।

हम पर्यटन उद्यमियों के लिए व्यापार करने में आसानी, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को बढ़ावा देने और एक सक्षम ढांचा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो पर्यटन के बुनियादी ढांचे, आवास और नए पर्यटन उत्पादों में निवेश की सुविधा प्रदान करता है। पर्यटन नीति को लागू करने के लिए 1350 करोड़ रुपये का बजट प्रदान किया गया है और हमें उम्मीद है कि इस नीति के माध्यम से लगभग 8000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष निवेश आकर्षित होगा और 1.5 लाख रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह नीति होटल, रिसॉर्ट, वेसाइड सुविधाओं, वेलनेस रिट्रीट, एडवेंचर स्पोर्ट्स और क्रूज पर्यटन के लिए आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान करती है और मैं निवेशकों को अपने प्रस्तावों के साथ आगे आने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।

इस मौके पर कानून और संसदीय मामलों के मंत्री और पर्यटन मंत्री, एच के पाटिल, खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा, लघु सिंचाई मंत्रीएन एस बोसराजू, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ एम सी सुधाकर, राजनीतिक सचिव गोविंदा राजू, विधायक रिजवान अरशद और नागराज यादव आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# महाशिवरात्रि पर्व पर मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में महाशिवरात्रि का पर्व बुधवार को भक्तिभाव, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर शिवालयों में भोले बाबा की विशेष पूजा-अर्चना हो रही है। जयपुर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, सीकर सहित सभी जिलों के शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिये लोगों की लंबी कतारें देखी गईं। जयपुर के ताड़केश्वरनाथ मंदिर, झारखंड महादेव समेत अन्य मंदिरों में सुबह से ही जल लेकर श्रद्धालु कतारों में लगे थे। शिवालयों में 'ओम नमः शिवायः', 'हर हर महादेव', 'बम बम भोले' के जयघोष के साथ महादेवजी का अभिषेक किया जा रहा है। जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में चार प्रहर की पूजा होगी। देर शाम शुरू होने वाला अनुष्ठान बृहस्पतिवार सुबह तक चलेगा।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महाशिवरात्रि के पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने एक बयान में कहा कि महाशिवरात्रि भारतीय संस्कृति का अनूठा उत्सव है। उन्होंने भगवान शिव और माता पार्वती से सभी के कल्याण और मंगल की कामना की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन हो, सभी की मनोकामनाएं पूरी हों, समस्त विश्व का कल्याण हो। हर हर महादेव। भजन लाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर स्थित राजराजेश्वर मंदिर में सपरिवार विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेश की ख़ुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हर-हर महादेव।

# धार्मिक मेले श्रद्धा और भक्ति को देते हैं बढ़ावा : रावत

जयपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अजमेर जिला स्थित दूधाधारी बाबा की धूणी आंबा मशीनिया में आयोजित विशाल शिव मेले में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने धर्म, संस्कृति और समाज के उत्थान के लिए बाबा की धूणी में आशीर्वाद लिया और मेले के आयोजन की सराहना की।

मेले में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रावत ने मेला आयोजन को धार्मिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल श्रद्धा और भक्ति को बढ़ावा देते हैं, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे का संदेश भी देते हैं। जल संसाधन मंत्री रावत ने राज्य सरकार द्वारा जल संकट के समाधान हेतु उठाए गए कदमों की जानकारी भी दी और कहा कि राजस्थान में जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में जल संरचनाओं का निर्माण और संरक्षण करने की दिशा में सरकार गंभीर है, ताकि पानी की कमी से जूझ रहे क्षेत्रें को राहत मिल सके। इसी के बीच मेले में पहुंचने से पूर्व मंत्री रावत का ग्राम डूमाडा मुख्य चौराहे पर और नदी द्वितीय शिव मंदिर पर ग्रामीणों द्वारा भव्य अभिनंदन किया गया। मंत्री रावत ने गांवों के मुख्य शिव मंदिरों में भगवान शिव की पूजा अर्चना कर सभी की खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्राम वासियों द्वारा ढोल धमाकों की थाप पर अगवानी और भगवान शिव के जयकारों के साथ मंत्री रावत का भव्य पुष्पहारों से और साफा बंधन कर अभिनंदन किया।

## गहलोत के परम शिष्य हैं डोटासरा, वह खुद भी दुविधा में हैं: गहलोत खुद कह रहे हैं आसन का सम्मान होना चाहिए, राठौड़ ने कहा - कांग्रेस में भी आपसी अंतर्कलह

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने महाशिवरात्रि के मौके पर विद्याधर नगर स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए विधानसभा में व्याप्त हुए गतिरोध को लेकर कहा कि राजस्थान विधानसभा में आम जनता जनप्रतिनिधियों को उनके मुद्दे उठाने और आमजन की बात रखने के लिए भेजती है। यहां आकर हंगामा करना और अनर्गल बयान बाजी करना किसी भी स्थिति में सही नहीं है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के विधायकों के साथ गतिरोध को लेकर विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष तय हुआ था कि गोविंद सिंह डोटासरा विधानसभा में पूरी घटना पर खेद प्रकट करेंगे, लेकिन वह सदन में आकर उसे पर पलट गए। आसान को लेकर भी कई तरह की टिप्पणियां की। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वह परम शिष्य हैं, गहलोत भी दुविधा में है, लेकिन कांग्रेस में भी आपसी अंतर्कलह है। गहलोत खुद कह रहे हैं की आसन का सम्मान होना चाहिए।

# सरकार शिक्षा के प्रति पूर्णरूप से संवेदनशील : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रत्येक वर्ग के हितों का ध्यान रखते हुए कार्य कर रही है। सरकार शिक्षा के प्रति पूर्णरूप से संवेदनशील है। दिलावर बुधवार को यहां रेजीडेंसी विद्यालय सभागार में वण्डर सीमेंट, ज्यूरिख कोटक जनरल इंश्योरेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) तथा एसएमई इंश्योरेंस प्रमोशन कौंसिल के साझे में प्रारंभ की गई सीएसआर के माध्यम से व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना का शुभारंभ करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत संकट के चलते पढ़ाई से वंचित होने वाले बच्चों की पीड़ा को दूर करने के लिए राजस्थान सरकार ने यह अभिनव पहल की है। उन्होंने कहा कि कई बार परिवार में हादसों के चलते माता-पिता की मृत्यु हो जाने अथवा दिव्यांग हो जाने से पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते बच्चों को बीच में पढाई छोड़ देनी पड़ती है। दिलावर ने कहा कि ऐसी कई संस्थाएं भी सक्रिय हैं तो ऐसे मुसीबत में घिरे परिवारों को लालच देकर बच्चों को जोड़ लेती हैं। कई बार उनसे भिक्षावृत्ति भी कराई जाती है तो कई बार धर्मांतरण जैसे कृत्य भी होते हैं।

दिलावर ने कहा कि आमजन की परेशानी को महसूस करते हुए राज्य सरकार ने सीएसआर के माध्यम से व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना की पहल की। इसमें वण्डर सीमेंट, ज्यूरिख कोटक एवं एसबीआई का साथ मिला और आज पूरे भारत में पहली बार एक साथ तीन कंपनियों के सहयोग से अभूतपूर्व योजना का शुभारंभ महाराणा प्रताप की धरती उदयपुर से हुआ।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों की शिक्षा के लिए कई तरह की योजनाएं चल रही है। स्कूलों में बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें, युनिफार्म आदि उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मिड डे मील और दुग्ध योजना से उनके पोषण का भी ध्यान रखा जा रहा है। साइकिल एवं स्कूटी वितरण और लेपटॉप वितरण के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। उन्होंने निराश्रित बच्चों के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से चलाई जा रही पालनहार योजना सहित हाल ही प्रारंभ की गई लाडो प्रोत्साहन योजना की भी जानकारी देते हुए जागरूक रहकर योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बिजनेस हैड शिलादित्य चौधरी ने शिक्षा संजीवनी के माध्यम से प्रारंभ की गई योजना की जानकारी देते हुए बताया कि उदयपुर जिले के कक्षा 1 से 5 तक के 1.35 लाख विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों का 1 लाख रूपए का बीमा किया गया है। एसबीआई के फाइनेंशियल इंक्लूजन ग्रुप जनरल मैनेजर दीपक लिंगवाल ने बताया कि योजना के तहत एसबीआई की ओर से सभी बच्चों को शून्य जमा पर बैंक खाता खोला गया है। इसमें प्रति माह बच्चों को 500 रूपए इंसेटिव दिया जाएगा, जिसका उपयोग वे अपनी सामान्य जरूरतों की पूर्ति के लिए कर सकेंगे।

# एम्स जोधपुर में रैगिंग के आरोप में दो नर्सिंग छात्राएं निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। एम्स जोधपुर की दो नर्सिंग छात्राओं को रैगिंग की शिकायत के बाद निलंबित कर दिया गया है और उन्हें किसी भी शैक्षणिक गतिविधि में भाग लेने से रोक दिया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एक समिति द्वारा की गई जांच के आधार पर मंगलवार को यह फैसला लिया गया। यह समिति प्रथम वर्ष की एक छात्रा द्वारा लगाए गए रैगिंग के आरोपों की जांच के लिए गठित की गई थी। एम्स जोधपुर के प्रवक्ता डॉ. जीवन राम बिश्नोई ने बताया कि एक छात्रा को तीन महीने और दूसरी को एक महीने के लिए निलंबित किया गया है जबकि एक अन्य छात्रा को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।

शिकायत के अनुसार, कॉलेज में फ्रेशर्स पार्टी की तैयारी के लिए नर्सिंग के विद्यार्थियों की बैठक के दौरान 15 फरवरी को रैगिंग की कथित घटना हुई। प्रथम वर्ष की छात्रा ने वरिष्ठ छात्राओं द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर एम्स प्रशासन से शिकायत की थी। प्रवक्ता ने बताया कि मामले की जांच के लिए गठित समिति ने आरोपों को सही पाया।

उन्होंने बताया कि तीनों छात्राओं ने आपत्तिजनक टिप्पणियां करने की बात स्वीकार करते हुए माफी मांगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि ये टिप्पणियां अनजाने में की गई थीं और उन्हें अंदाजा नहीं था कि शिकायतकर्ता को इससे इतनी ठेस पहुंचेगी।

## पिता ने बेटे की हत्या के बाद फंदे से लटककर आत्महत्या की

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक पिता ने अपने छह वर्षीय बेटे की गला घोंटकर हत्या करने के बाद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी सुबोध जांगिड़ ने बताया मैताली गांव में हाजा बरंडा (42) ने अपने बेटे पीयूष की गला घोंटकर हत्या कर दी। उसके बाद बरंडा ने पेड़ में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। जांगिड़ ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## चित्तौड़गढ़ जिले में करीब 12 लाख की दो किलो से अधिक अफीम बरामद

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले की पारसोली थाना पुलिस ने बेगूं थाने के एक वर्ष पुराने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में वांछित चल रहे पांच हजार रुपये के एक ईनामी बदमाश को गिरफ्तार करके उसके पास से दो किलो से अधिक का अवैध अफीम किया हैं। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि ईनामी बदमाश देवराज सिंह निवासी कुलाटिया नई थाना बेंगू को मोटरसाइकिल पर अफीम की तस्करी करते गिरफ्तार करके उसके पास से दो किलो 132 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई हैं। बरामद अफीम की कीमत करीब 12 लाख रुपए आंकी गई है।

जोशी ने बताया कि गश्त के दौरान मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तस्करों पर निगरानी के लिये महेसरा से झरिया महादेव वन क्षेत्र के कच्चे रास्ते पर नाकाबंदी करके मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति रोककर उसके बैग की तलाशी लेने पर एक प्लास्टिक की थैली में यह अवैध अफीम पाई गई।

उन्होंने बताया कि अवैध अफीम एवं मोटरसाईकिल को जब्त कर आरोपी देवराज सिंह को गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि यह बदमाश पुलिस थाना बेगूं के तस्करी के एक मामले में वांछित पांच हजार रुपये का इनामी अपराधी है। जो करीब एक साल से फरार चल रहा था।

# राजनीतिक महाभारत : पलटूराम पर निशाना और विधानसभा गतिरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान की राजनीति में इन दिनों सियासी गर्मी चरम पर है। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बिना नाम लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को पलटूराम कहकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। जोधपुर में मीडिया से बात करते हुए पटेल ने कहा कि विधानसभा और कांग्रेस पार्टी को एक व्यक्ति ने हाईजैक कर लिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस की अंतर्कलह की वजह से सदन में गतिरोध पैदा हुआ है। मंत्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने भी गतिरोध खत्म करने के प्रयास किए, लेकिन पलटूराम ने इसके विपरीत आचरण किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस के ही कुछ नेता अपने ही नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को बोलने नहीं देना चाहते थे। पटेल ने इसे लाइमलाइट में आने की कोशिश करार दिया और कहा कि यदि वे चाहते तो पहले नेता प्रतिपक्ष का वक्तव्य सदन में रखने देते, फिर विरोध करते।

राजस्थान विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत छह विधायकों को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद से ही कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है। गतिरोध खत्म करने के लिए संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बातचीत की कोशिश की, लेकिन सहमति नहीं बन पाई।

राजस्थान कांग्रेस पहले ही गुटबाजी के कारण कई बार सुर्खियों में रही है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच की तनातनी पहले ही कांग्रेस की स्थिति कमजोर कर चुकी है, और अब नया विवाद पार्टी की एकजुटता पर फिर से सवाल खड़े कर रहा है। बीजेपी इस मौके को भुनाने की पूरी कोशिश में है, और मंत्री जोगाराम पटेल का यह बयान उसी रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है।

## महात्मा ज्योतिबा फूले मंडी श्रमिक कल्याण योजना में अब मिलेगी 75 हजार रूपये

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप राज्य सरकार किसान, गरीब, महिला एवं युवाओं के कल्याण के प्रति कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फूले मंडी श्रमिक कल्याण योजना के अन्तर्गत विवाह सहायता राशि में वृद्धि करने की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री शर्मा के इस संवेदनशील निर्णय से उक्त योजना में अब अनुज्ञाधारी श्रमिकों की दो पुत्रियों के विवाह पर 25 हजार रूपये की बढ़ोत्तरी करते हुए प्रति विवाह 75-75 हजार रूपये की सहायता राशि दी जाएगी।

# अधिकारी संवेदनशील होकर करें काम, आमजन को दें राहत : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अधिकारी संवेदनशील होकर काम करें और प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक केन्द्र व राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं एवं उन्हें राहत प्रदान करें। यह बात मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को अजमेर में आयोजित संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में कही।

उन्होंने कानून एवं शांति व्यवस्था, सुशासन, राज्य बजट घोषणा, राजस्व एवं विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं एवं कामकाज की समीक्षा की। संभागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा एवं पुलिस महानिरीक्षक ओम प्रकाश ने संभाग की प्रगति से अवगत कराया।

बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए ताकि अधिकतम लाभ आमजन तक पहुंच सके। मुख्य सचिव ने आगामी अध्यापक पात्रता परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की तथा सुचारु एवं निष्पक्ष सम्पादन के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की गई। साथ ही नकल एवं त्रुटि रहित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा हुई।

मुख्य सचिव पंत ने लंबित भूमि रूपांतरण और नामांतरण मामलों का जिला कलक्टर एवं एसडीएम स्तर पर विश्लेषण किया। ये मुद्दे आम आदमी से जुड़े हुए हैं इसलिए इनका निस्तारण प्राथमिकता से करें। समय-समय पर कुछ प्रकरणों की जांच भी उच्च स्तर से होनी चाहिए। ई-गवर्नेंस और प्रशासनिक सुधार पर चर्चा की। फाइल निस्तारण में औसत समय और पेंडेंसी का आकलन कर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। समस्त पत्रावलियां ई-फाईलिंग सिस्टम से ही सम्पादित होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि राजकीय भूमि को निजी खातेदारी घोषित करने के फैसलों की अपील सक्षम न्यायालय में की जानी चाहिए। इसके लिए पूर्व में किए गए निर्णयों की जांच करें। युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए लगातार कार्यवाही की जाए। इस सम्बन्ध में की गई कार्यवाही की समीक्षा प्रतिमाह जिला स्तर पर होनी चाहिए। आबकारी विभाग, पुलिस विभाग एवं अन्य विभाग मिलकर यह कार्य करें। अवैध खनन को रोकने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस, वन, खनन एवं परिवहन विभाग मिलकर कार्य करें। संगठित अवैध खनन को रोकना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। नागौर में अवैध खनन रोकने के लिए आरएसी पुनः तैनात करने की कार्यवाही करें।

पंत ने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को रोकना आवश्यक है। अपराधों को होने से पहले रोकना बडी सफलता होती है।

## साइबर ठगी के अंतरराष्ट्रीय रैकेट का किया खुलासा

# सिरसी रोड पर एक युवक को 61 एक्टिव सिम, दो मोबाइल व बाइक के साथ पकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा किया है। जयपुर के वैशाली नगर इलाके में सिरसी रोड से स्थानीय पुलिस को साथ लेकर एक युवक यशवंत सिंह पंवार पुत्र गोपाल सिंह (21) निवासी गुर्जर बस्ती शास्त्री नगर जयपुर को 61 एक्टिव मोबाईल सिम व दो मोबाइल सहित पकड़ा है। आरोपी दुबई में बैठे इस गिरोह के सरगना के कहने पर अरुणाचल प्रदेश एवं आसाम से फर्जी सिम मंगवाता है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि विभिन्न आपराधिक गिरोह, गैंगस्टर, तस्करों एवं मुकदमों में वांछित बदमाशों की तलाश एवं उनके धरपकड़ के लिए उप महानिरीक्षक पुलिस श्री योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में पुलिस मुख्यालय की एजीटीएफ की अलग-अलग टीमों को विभिन्न जिलों में आसूचना संकलन के लिए भेजा गया है।

एएसपी शर्मा के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित टीम के सदस्य हेड कांस्टेबल हेमंत कुमार शर्मा को एक गिरोह द्वारा जयपुर में आसाम से भारी मात्रा में एक्टिव सिम फ्लाइट के द्वारा मंगवाए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर इनके सहित सब इंस्पेक्टर प्रताप सिंह, एएसआई बनवारी लाल, हेड कांस्टेबल महेश, महावीर, देवेंद्र सिंह, गंगाराम, जितेंद्र, गोपाल धाबाई, विजय सिंह एवं चालक दिनेश शर्मा की एक टीम पुष्टि के लिए रवाना की गई।

आसूचना संकलन एवं तकनीकी मदद से खबर की तस्दीक होने पर वैशाली थाना पुलिस को सूचना देकर सिरसी रोड बुलाया गया। जहां कालरा पेट्रोल पम्प के सामने चाय की थड़ी पर बाइक लेकर खड़ा युवक पुलिस की गाड़ी और टीम को देख बाइक लेकर जाने लगा।

# महाकुंभ : महाशिवरात्रि पर 1.18 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**महाकुंभ नगर/भाषा।** महाकुंभ का अंतिम स्नान पर्व बुधवार को हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ प्रारंभ हुआ और तड़के से ही श्रद्धालुओं का गंगा और संगम में डुबकी लगाना जारी है। दोपहर दो बजे तक 1.18 करोड़ लोगों ने स्नान किया। मेला प्रशासन ने स्नानार्थियों पर 120 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कराई। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को दोपहर दो बजे तक 1.18 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। महाकुंभ में अभी तक 65.95 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं और शाम तक यह आंकड़ा 66 करोड़ को पार करने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि पर लोगों को बधाई देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स' पर लिखा, महाकुंभ 2025, प्रयागराज में भगवान भोलेनाथ की उपासना को समर्पित महाशिवरात्रि के पावन स्नान पर्व पर आज त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पधारे सभी पूज्य साधु संतों एवं श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन।

उन्होंने कहा, त्रिभुवनपति भगवान शिव और पुण्य सलिला मां गंगा सभी का कल्याण करें, यही प्रार्थना है। हर हर महादेव।'' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ के अंतिम स्नान पर्व पर तड़के चार बजे से ही व्यवस्थाओं को देखने के लिए नियंत्रण कक्ष में पहुंच गए। गोरखपुर प्रवास के चलते उनके लिए गोरखनाथ मंदिर में ही नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां वह स्नान पर्व पर पल-पल की निगरानी करते नजर आए।

पुष्प वर्षा' के प्रभारी वी के सिंह ने बताया कि स्नानार्थियों पर हर बार गुलाब की 20 क्विंटल पंखुड़ियों की वर्षा कराई गई और कुल 120 क्विंटल पंखुड़ियों की पुष्प वर्षा कराई गई है। उन्होंने बताया कि पहले दौर में सुबह आठ बजे पुष्प वर्षा कराई गई तथा सभी घाटों पर छह बार पुष्प वर्षा कराई गई। प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित होने वाले महाकुंभ में पहला स्नान पर्व 13 जनवरी को हुआ था। आज अंतिम स्नान पर्व है और महाशिवरात्रि पर ब्रह्ममुहूर्त से ही देश के कोने कोने से श्रद्धालु महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। महाकुंभ मेले में ना केवल भारत के कोने कोने से लोग आ रहे, बल्कि पड़ोसी देश नेपाल से भी श्रद्धालु आए। नेपाल से आए चार किशोरों मनीष मंडल, रब्बज मंडल, अर्जुन मंडल और दीपक साहनी ने अपने चाचा डोमी साहनी के साथ महाशिवरात्रि पर संगम में डुबकी लगाई। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से चार दोस्त आकाश पाल, अभिजीत चक्रवर्ती, राजा सोनवानी और अभिषेक पाल महाशिवरात्रि पर महाकुंभ में डुबकी लगाने पहुंचे। आकाश पाल ने बताया, हम दोस्त हैं और पश्चिम बंगाल से प्रयागराज तक कार से आए। जहां वाहन की अनुमति खत्म हुई, वहां से पैदल चलकर संगम पहुंचे। महाशिवरात्रि पर श्रद्धालु गंगा और संगम में डुबकी लगाने के बाद शहर के विभिन्न शिव मंदिरों में जाकर भगवान शंकर का जलाभिषेक कर रहे हैं। ब्रह्म मुहूर्त से ही शहर के सभी शिव मंदिरों में शिव भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इन मंदिरों में सरस्वती घाट के निकट सिद्ध पीठ मनकामेश्वर मंदिर, दारागंज स्थित ब्रह्मेश्वर महादेव शिवकुटी स्थित कोटेश्वर महादेव मंदिर और अरैल स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर शामिल हैं।

# शिवालयों में उमड़ी भीड़, बाबा काशी विश्वनाथ के दरबार पहुंचे अखाड़े के संत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** महाशिवरात्रि के अवसर पर पूरे उत्तर प्रदेश भर में शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। वाराणसी में भव्य जुलूस से लेकर छोटे शहरों में शांतिपूर्ण अनुष्ठानों तक लोग भगवान शिव से आशीर्वाद लेने के लिए एकत्र हुए। महाशिवरात्रि के पर्व पर वाराणसी में नागा साधुओं और अखाड़ों के साधु- संतों ने शोभा यात्रा निकाल कर बाबा श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया।

इस शोभा यात्रा में अखाड़ों के महामंडलेश्वर शाही रथ पर विराजमान हुए थे। काशी के लोगों ने हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया। शोभा यात्रा में नागा साधु हाथ में त्रिशूल, गदा और तलवार लिए बाबा विश्वनाथ के दरबार पहुंचे और जलाभिषेक किया। इस दौरान डमरू की ध्वनि और हर हर महादेव' के उद्घोष से पूरा इलाका भक्तिमय रहा। शोभा यात्रा में शामिल निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर कैलाशानन्द गिरि महाराज ने कहा, साधु-सन्यासी महाशिवरात्रि पर भगवान शिव का दर्शन करके कुंभ को पूर्ण मानते है। हम सब साधु-संत अपने भगवान के चरणों में उपस्थिति दर्ज कराने जा रहे है। महादेव ने महाकुंभ को विशाल और भव्य बनाया।

उन्होंने कहा, हम सब साधु-संत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सफल महाकुंभ की बधाई देते हैं। इस बार कुंभ के स्वरूप को पूरी दुनिया ने देखा। सनातन को मानने वाले सभी लोगों ने कुंभ में डुबकी लगाई। 60 से 62 करोड़ लोगों ने यहां स्नान किया। यही राम राज्य की परिकल्पना है। अराजक लोगों को कुंभ अच्छा नहीं लगा। कैलाशानन्द ने कहा, सबसे पहले मैं महाकुंभ का निमंत्रण देने महादेव के पास आया था। आज उस महाकुंभ की पूर्णाहुति होने जा रही है। हम सब आज महादेव के चरणों में दर्शन पूजन कर महाकुंभ का समापन करने जा रहे हैं। आज सात अखाड़े काशी में उपस्थित हैं।

कैलाशानन्द ने कहा कि सभी साधु-संत महादेव से नासिक और उज्जैन में होने वाले आगामी कुंभ के सकुशल सम्पन्न होने की कामना लेकर आये हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रशासन के मुताबिक, महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम रंग-बिरंगी रोशनी से चमक रहा है और विभिन्न प्रकार के सुगंधित पुष्पों से महक रहा है। महाशिवरात्रि के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दिव्य प्रांगण की भव्य आभा देखते ही बन रही है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के द्वार से लेकर सभी मंडपों, विग्रहों के मंदिरों की फूलों से आकर्षक सजावट की गई है।

मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि गेट नंबर- चार से लेकर गंगा द्वार तक की गई मनभावन सजावट को देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो रहे हैं।

## मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि पर रुद्राभिषेक कर की लोकमंगल की प्रार्थना

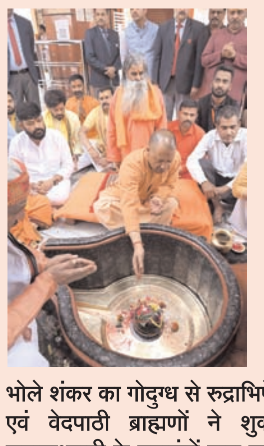

**गोरखपुर/भाषा।** गोरक्ष पीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर आवास में स्थित शक्ति मंदिर में रुद्राभिषेक कर लोक मंगल और राष्ट्र कल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने महाशिवरात्रि पर विशेष उपासना के क्रम में सुबह शक्ति मंदिर में भगवान भोले शंकर का गोदुग्ध से रुद्राभिषेक किया। मठ के पुरोहित एवं वेदपाठी ब्राह्मणों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद आदित्यनाथ ने हवन तथा आरती कर चराचर जगत के कल्याण के लिए आदियोगी महादेव से प्रार्थना की। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर में भी पूजन किया। उन्होंने यहां भगवान नंदी का पूजन कर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। उल्लेखनीय है कि नाथपंथ की परंपरा में गुरु गोरखनाथ सबका कल्याण करने वाले भगवान शिव के अवतार माने जाते हैं।

# आदित्यनाथ ने की महाशिवरात्रि पर महाकुंभ के अंतिम स्नान पर्व की निगरानी, अधिकारियों को निदए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**महाकुंभ नगर/गोरखपुर/भाषा।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को तड़के चार बजे नियंत्रण कक्ष पहुंच गए और पूरी व्यवस्था की निगरानी की।

राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री पिछले स्नान पर्व की तरह महाकुंभ में महाशिवरात्रि के स्नान की व्यवस्था को देखने के लिए तड़के चार बजे ही नियंत्रण में पहुंच गए।

गोरखपुर प्रवास के चलते उनके लिए गोरखनाथ मंदिर में ही नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, जहां वह स्नान पर्व की निगरानी करते नजर आए। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने नियंत्रण कक्ष से ही आला अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्नान के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं को बिना किसी समस्या के त्रिवेणी संगम में स्नान का अवसर मिल सके। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने वसंत पंचमी और माघ पूर्णिमा के दौरान अमृत स्नान के अवसर पर भी सुबह से ही व्यवस्था की निगरानी करते हुए वॉर रूम में अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

# असम व्यापार सम्मेलन में बुनियादी ढांचे में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गुवाहाटी/भाषा।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि व्यापार शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न सरकारी कंपनियों ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लगभग एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि सड़क परिवहन, रेल संपर्क, जलमार्ग संवर्धन और हवाई संपर्क जैसे क्षेत्रों में केंद्र सरकार निवेश करेगी। शर्मा ने एडवांटेज असम दो निवेश एवं बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025' के दौरान सड़क, रेलवे और जलमार्ग बुनियादी ढांचे पर एक सत्र में कहा, केंद्रीय मंत्रियों ने कल से सड़क, रेलवे, वायुमार्ग, जलमार्ग और आई-वे (सूचना हाइवे) में विभिन्न परियोजनाओं के लिए घोषणाएं की हैं।

यदि सभी राशि को एक साथ लिया जाए, तो यह लगभग एक लाख लाख करोड़ रुपये बैठेगी। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए इंजीनियरों और अन्य तकनीकी रूप से योग्य लोगों सहित कुशल कार्यबल की आवश्यकता होगी।

शर्मा ने कहा, हमारी अगली चुनौती शैक्षणिक सुधार की है। हमें कुशल कार्यबल तैयार करने के लिए अपनी शिक्षा प्रणाली में सुधार करना होगा।

## महाकुंभ में न जाकर राहुल और उद्धव ने हिंदुत्व का अपमान किया : आठवले

मुंबई। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने बुधवार को आरोप लगाया कि शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाकुंभ में न जाकर हिंदुत्व का अपमान किया है और हिंदू मतदाताओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए। महाराष्ट्र के प्रमुख दलित नेता और भाजपा के सहयोगी अठावले ने कहा, ठाकरे हिंदुत्व के बारे में बात करते हैं, लेकिन उन्होंने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में भाग नहीं लिया।

उन्होंने पीटीआई-वीडियो' से कहा, ठाकरे और गांधी परिवार ने महाकुंभ में भाग न लेकर हिंदुत्व का अपमान किया है। हिंदू होना और महाकुंभ में शामिल न होना हिंदुओं का अपमान है और हिंदुओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने कहा, लोगों की भावनाओं को देखते हुए उन्हें महाकुंभ में हिस्सा लेना चाहिए था। आठवले ने कहा, वे हमेशा हिंदू वोट चाहते हैं, इसके बावजूद वे महाकुंभ में शामिल नहीं हुए। मुझे लगता है कि हिंदू मतदाताओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए।'' उन्होंने पिछले साल नवंबर में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदू मतदाताओं ने हाल ही में हुए चुनावों में इन नेताओं को सबक सिखाया है।

# केंद्र 5 साल में असम में जलमार्ग विकास पर 4,800 करोड़ रु. खर्च करेगा : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गुवाहाटी/भाषा।** केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार अगले पांच साल में असम में जलमार्ग और संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास पर 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगी। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री यहां एडवांटेज असम 2.0 निवेश एवं अवसंरचना शिखर सम्मेलन' के दौरान राज्य की सड़क, रेलवे और नदी अवसंरचना पर आयोजित सत्र में यह बात कही।

सोनोवाल ने कहा, मैं घोषणा करना चाहता हूं कि अगले पांच साल में मेरा मंत्रालय असम में 4,800 करोड़ रुपये खर्च करेगा।'' यह राशि जहाज मरम्मत सुविधा, बंदरगाहों के लिए वैकल्पिक सड़कों के निर्माण तथा टर्मिनल के विकास जैसे विभिन्न कार्यों पर खर्च की जाएगी। सोनोवाल ने कहा कि राज्य में समुद्री शिक्षा में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया जाएगा, जिसमें पोत परिवहन उद्योग के लिए सालाना 5,000 कुशल युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने आर्थिक वृद्धि में जलमार्गों के महत्व का उल्लेख किया और कहा कि 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार के सत्ता में आने के बाद से इस क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा, भारत का लक्ष्य 2030 तक समुद्री क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र और शीर्ष पांच जहाज विनिर्माण देशों में से एक बनना है।''

## 'असम में 80,000 करोड़ की सड़क परियोजनाओं पर काम जल्द शुरू होगा'

**गुवाहाटी/भाषा।** सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि असम में 80,000 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं पर काम जल्द ही शुरू होगा। एडवांटेज असम 2.0 व्यापार शिखर सम्मेलन' में सड़क, रेलवे और नदी अवसंरचना पर आयोजित सत्र को ऑनलाइन संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2029 तक 15 वर्ष में उनके मंत्रालय के तहत राज्य में तीन लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूरी की जाएंगी। गडकरी ने कहा कि जिन नई परियोजनाओं पर काम शुरू होगा उनमें गुवाहाटी रिंग रोड, ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे एक सुरंग और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एक एलिवेटेड कॉरिडोर शामिल हैं।

## पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण को 20% से अधिक करने पर विचार कर रहा है भारत : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गुवाहाटी/भाषा।** पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि भारत पेट्रोल में एथनॉल मिलाने के अपने लक्ष्य को बढ़ाकर 20 प्रतिशत से अधिक करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस पर विचार करने के लिए नीति आयोग के तहत एक समिति गठित की गई है। एडवांटेज असम 2.0 व्यापार शिखर सम्मेलन' में पुरी ने कहा कि 19.6 प्रतिशत सम्मिश्रण पहले ही हासिल किया जा चुका है। हम 20 प्रतिशत से अधिक जैव ईंधन मिश्रण पर विचार कर रहे हैं। नीति आयोग समूह का गठन पहले ही किया जा चुका है और वे इस पर विचार कर रहे हैं।'' पुरी ने कहा कि भले ही भारत के सामने विकास संबंधी चुनौतियां है लेकिन सभी जीवाश्म ईंधन उत्पादन कंपनियां 2045 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल कर लेंगी।

# नीतीश कुमार ने मंत्रिपरिषद में सात नये चेहरों को किया शामिल, सभी भाजपा विधायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को अपनी मंत्रिपरिषद में सात नये चेहरों को शामिल किया। ये सभी गठबंधन सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हैं। इसके साथ ही मंत्रिपरिषद के सदस्यों की संख्या 36 हो गई है। बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीट हैं। नियमों के अनुसार कुल सीट का 15 प्रतिशत ही मंत्री हो सकते हैं। इस लिहाज से राज्य मंत्रिपरिषद में 36 सदस्य ही हो सकते हैं।

यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मंत्रियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। जिन विधायकों को मंत्री बनाया गया है उनमें जिबेश कुमार, संजय सरावगी, सुनील कुमार, राजू कुमार सिंह, मोती लाल प्रसाद, विजय कुमार मंडल और कृष्ण कुमार मंटू शामिल हैं। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं।

नये मंत्रियों में शामिल जिबेश कुमार अगस्त 2022 तक राज्य मंत्रिपरिषद के सदस्य थे, जब मुख्यमंत्री कुमार ने यह आरोप लगाते हुए अचानक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) छोड़ दिया था कि भाजपा उनके नेतृत्व वाले जनता दल (यूनाईटेड) को तोड़ने' की कोशिश कर रही है। दरभंगा से पांचवीं बार विधायक बने संजय सरावगी और बिहारशरीफ का प्रतिनिधित्व करने वाले सुनील कुमार को भी मंत्री बनाया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गढ़ कहे जाने वाले नालंदा जिले के बिहारशरीफ से वह तीन बार जद(यू) के टिकट पर चुने गए। वह 2015 में भाजपा में शामिल हो गए थे। मुजफ्फरपुर जिले की साहेबगंज सीट से विधायक राजू कुमार सिंह को भी मंत्री पद से नवाजा गया है। वह भी पहले जद (यू) में थे। उन्होंने 2020 के

विधानसभा चुनाव में मुकेश सहनी के नेतत्व वाली विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के टिकट पर जीत दर्ज की थी। इस चुनाव में वीआईपी ने कुल मिलाकर तीन सीट जीती थीं। दो साल पहले उस समय इसके सभी विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे, जब सहनी ने भाजपा से गठबंधन तोड़ दिया था।

कुमार की मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए नेताओं में एक और उल्लेखनीय चेहरा सारण जिले के अमनौर के विधायक कृष्ण कुमार मंटू का है। हाल ही में उन्होंने पटना में कुर्मी चेतना रैली' आयोजित की थी, जिसका उद्देश्य इस ओबीसी समुदाय में भाजपा की पैठ बढ़ाने की थी।

नीतीश कुमार खुद कुर्मी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए दो अन्य चेहरों में अररिया जिले के सिकटी से विधायक विजय कुमार मंडल और सीतामढ़ी के रीगा से विधायक मोती लाल प्रसाद शामिल हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि मंत्रिपरिषद के विस्तार में जातिगत समीकरण के साथ ही भाजपा के राजनीतिक समर्थन के आधार वाले क्षेत्रों पर भी खासा ध्यान दिया गया है। ज्ञात हो कि एक दिन पहले ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पटना में पार्टी के कोर समूह के नेताओं के साथ बैठक की थी।

नए मंत्रियों में से दो, जिबेश कुमार (भूमिहार) और राजू कुमार सिंह (राजपूत) उच्च जातियों से हैं, जो बिहार में आबादी का 10 प्रतिशत से अधिक हैं, लेकिन दशकों से भाजपा के सबसे वफादार मतदाता रहे हैं। इसके अलावा, सुनील कुमार को छोड़कर सभी गंगा के उत्तर क्षेत्र से आते हैं। इस क्षेत्र में राजग के मुकाबले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) कांग्रेस और वाम दलों के गठबंधन का प्रदर्शन बेहतर रहा है। मंत्रिपरिषद में नये चेहरों को ऐसे दिन शामिल किया गया जब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और पूर्व राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने पार्टी की एक व्यक्ति, एक पद' की नीति का हवाला देते हुए मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। जायसवाल को पिछले साल जनवरी में जद(यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के बाद गठित नये मंत्रिमंडल में राजस्व और भूमि सुधार विभाग का प्रभार प्रदान किया गया था। जायसवाल जुलाई, 2024 में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के स्थान पर भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बनाये गये थे।

## सुविचार

**कचरे में फेंकी रोटियां रोज ये बयां करती है कि पेट भरते ही लोग अपनी हैसियत भूल जाते है।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# सरकारी स्कूलों के 'अच्छे दिन' कब?

भारत में कम से कम 35 प्रतिशत स्कूलों में पचास या उससे कम विद्यार्थी नामांकित होने और उनमें सिर्फ एक या दो शिक्षक होने संबंधी 'पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च' का विश्लेषण कई सवाल खड़े करता है। इस तस्वीर को समझने के लिए नीति आयोग के उस निष्कर्ष का जिक्र करना जरूरी होगा, जिसमें शामिल किए गए आंकड़े कहते हैं कि भारत में 36 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में 50 से कम विद्यार्थी हैं और लगभग 10 प्रतिशत स्कूलों में 20 से कम विद्यार्थी हैं। सरकारी स्कूलों से लोगों का 'मोहभंग' क्यों होता जा रहा है? क्या निजी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर सच में बहुत अच्छा है? सरकारी स्कूलों में पढ़ाई इतनी सस्ती होने के बावजूद लोग अपने बच्चों को निजी स्कूलों में क्यों भेजना चाहते हैं? सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या में कमी रातोंरात नहीं आई है। दो दशक पहले तक इन स्कूलों में खूब नामांकन होते थे। सुबह प्रार्थना सभा में बहुत लंबी कतारें लगती थीं। अब ऐसा नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि निजी स्कूलों के कई शिक्षक बहुत मेहनती होते हैं। हालांकि वे सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की तुलना में कम वेतन पाते हैं। हर साल जब बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे घोषित होते हैं तो योग्यता सूची में आने वाले विद्यार्थियों के स्कूलों के नाम देखिए। उनमें ज्यादा संख्या निजी स्कूलों की मिलेगी। कहीं-कहीं सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी भी दिख जाते हैं। इसका लोगों पर बड़ा असर होता है। जो बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बहुत अच्छे होते हैं, उनके माता-पिता यह सूची देखकर चाहते हैं कि भविष्य में हमारे बच्चे का नाम यहां आए। जब निजी स्कूलों के विद्यार्थी चिकित्सा एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों की प्रवेश परीक्षाओं में उत्तीर्ण होते हैं तो अखबारों और सोशल मीडिया में उनके खूब चर्चे होते हैं। वहीं, ज्यादातर सरकारी स्कूल ऐसे प्रचार-प्रसार से दूर रहते हैं।

कई सरकारी स्कूलों में सुविधाओं का अभाव है। उनकी इमारतें काफी पुरानी हो चुकी हैं। वर्षों से टूट-फूट नहीं सुधारी गई। रंग-रोगन न होने के कारण उनकी चमक फीकी लगती है। पेयजल की सही व्यवस्था नहीं मिलती। दूसरी ओर निजी स्कूल इन बातों को लेकर सजग रहते हैं। वे समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन करते रहते हैं। इसके अलावा मौजूदा दौर की दो बड़ी जरूरतों- कंप्यूटर की जानकारी और अंग्रेजी के ज्ञान, पर निजी स्कूलों ने विशेष ध्यान दिया है। इनके लिए अभिभावक अतिरिक्त शुल्क देने के लिए तैयार हो जाते हैं। निजी स्कूलों द्वारा परिवहन सुविधा की शुरुआत ने उनमें नामांकन बढ़ाने में बड़ा योगदान दिया है। हालांकि कई बार वाहनों की गुणवत्ता के संबंध में सवाल उठे हैं, लेकिन ऐसे अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं, जब किसी गांव के सरकारी स्कूल में खूब बच्चे थे, अगले साल शहर के निजी स्कूल की बस आई, उसकी टीम ने घर-घर जाकर प्रचार किया। मेधावी विद्यार्थियों को शुल्क में विशेष छूट दी। उसके बाद गांव के सरकारी स्कूल के बच्चे धड़ाधड़ टीसी कटवाने लगे। प्राय: निजी स्कूलों के शुल्क को लेकर खूब विवाद होते हैं। जब कभी शुल्क में बढ़ोतरी की जाती है तो अभिभावक उसका विरोध करते हैं, जो स्वाभाविक है। इतनी महंगाई में जब शुल्क में बढ़ोतरी होगी तो हर परिवार उसे वहन करने में समर्थ नहीं होगा। उस दौरान अभिभावकों के पास विकल्प होता है कि वे अपने बच्चों का प्रवेश सरकारी स्कूल में करवा दें, लेकिन कितने लोग ऐसा करते हैं? बहुत कम। ज्यादातर तो इसी कोशिश में रहते हैं कि स्कूल प्रबंधन के साथ बातचीत कर शुल्क में कटौती करवाई जाए और बच्चों को यहीं पढ़ाया जाए। कुछ निजी स्कूल, जो बोर्ड परीक्षाओं में शानदार नतीजे देते हैं, जिनके विद्यार्थी विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करते हैं, वहां प्रवेश मिलना ही बहुत मुश्किल होता है। उनके शुल्क काफी ज्यादा होने के बावजूद अभिभावक बहुत खुशी से रुपए जमा कराते हैं। पड़ोसियों और रिश्तेदारों में रौब रहता है कि इनके बच्चे महंगे स्कूल में पढ़ते हैं! उस स्कूल के बगल में कोई सरकारी स्कूल हो तो वहां उन्हीं परिवारों के बच्चे मिलेंगे, जो निजी स्कूल का शुल्क देने में समर्थ नहीं हैं। आज कितने सरकारी शिक्षक हैं, जो अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाते हैं? कितने सांसद, विधायक ऐसे हैं, जिनके बच्चे उन इलाकों के सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं, जहां से वे वोट लेते हैं? सरकारी स्कूलों में सुविधाओं और शिक्षण की गुणवत्ता का मुद्दा अपनी जगह है। इनकी उपेक्षा उसी बिंदु से शुरू हो जाती है, जब सरकारी शिक्षक और जनप्रतिनिधि अपने बच्चों का नामांकन इनमें नहीं कराते। जब सभी सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के लिए ऐसा करना अनिवार्य हो जाएगा, तब सरकारी स्कूलों के 'अच्छे दिन' आ जाएंगे।

## ट्वीटर टॉक

'महाशिवरात्रि' की सभी प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! महादेव भोलेनाथ की कृपा से हर घर-आंगन सर्वदा धन-धान्य से भरा रहे; खुशहाली, समृद्धि और आनंद के नव दीप देदीप्यमान हो और सभी का कल्याण हो, यही प्रार्थना है।

**-वसुंधरा राजे**

आज देवाधिदेव महादेव की आराधना के पावन पर्व महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर सिटी पैलेस स्थित श्री राजराजेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर महादेव की आराधना की एवं समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली हेतु प्रार्थना की।

**-दीया कुमारी**

## प्रेरक प्रसंग

# व्यक्तित्व का आकर्षण

एक बार एक जिज्ञासु छात्र ने अपने अध्यापक से पूछा, 'सर, अपने व्यक्तित्व में निखार के लिए हमें क्या करना चाहिये?' अध्यापक ने कहा, 'लोग हमें चार तरीके से देखते-समझते हैं। हम क्या बोलते हैं। हम कैसे बोलते हैं। हम क्या करते हैं और हम कैसे दिखते हैं। इन्हीं चारों चीजों के हिसाब से हमारा अच्छा प्रभाव पड़ सकता है और बुरा भी। अक्सर देखने में आता है कि लोग अधिक लगाव और चाव अपने पहनावे पर रखते हैं ताकि उनके पहनावे से दूसरों पर प्रभाव पड़ सके! असल में पहनावा तो एक छोटा-सा पहलू हो सकता है। सबसे महत्वपूर्ण पहलू तो यह है कि हम अपने बर्ताव से दूसरों को अपने प्रति कैसा अनुभव करा सकते हैं ताकि सामने वाले को लगे कि वह कुछ खास है। जाहिर है जो आपसे मिलकर स्वयं को कुछ खास महसूस करेगा, वह आपसे और भी अधिक बार मिलना चाहेगा।

## सामयिक

# जब नेताजी को भारत को सौंप रहा था रूस?

**डॉ राकेश कुमार आर्य**

**रूस हमारा चाहे जितना गहरा मित्र रहा हो, परंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सब अपने स्वार्थ के खिलाड़ी होते हैं। इसलिए रूस की मित्रता भी एक सीमा तक ही प्रशंसनीय कही जाएगी। जब अपने स्वार्थ की बात आएगी तो रूस सहित कोई भी देश हमारे साथ खड़ा नहीं होगा। उस समय पश्चिमी देशों की मीडिया में यह प्रचार किया जा रहा था कि रूस के ताशकंद में हो रही भारत पाक वार्ता टूट जाएगी अर्थात पश्चिमी मीडिया इस बात पर बल दे रही थी कि रूस जिस प्रकार भारत पाक को एक साथ बैठाकर समझौता कराने का श्रेय लेना चाहता है , वह उसे मिल नहीं पाएगा।**

लाल बहादुर शास्त्री हमारे अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों में से अकेले एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें लोग आज भी सम्मान के साथ 'शास्त्री जी' कहकर पुकारते हैं। उनका 18 महीने का संक्षिप्त सा कार्यकाल लोगों को हृदय से प्रभावित कर गया था। युद्ध के क्षेत्र में उन्होंने जिस प्रकार देश का नेतृत्व किया उससे उन्होंने यह सिद्ध कर दिया था कि वह मां भारती के लाल भी हैं, बहादुर भी हैं और शास्त्री भी हैं। 1965 के भारत-पाक युद्ध के समय उन्होंने जिस बहादुरी के साथ देश का नेतृत्व किया, उसके चलते भारत पाक युद्ध के समय देश को विजय प्राप्त हुई थी। अभी कुछ समय पहले ही चीन के हाथों जिस प्रकार देश को पराजय का सामना करना पड़ा था, उसकी सारी कालिख को लाल बहादुर शास्त्री जी के यशस्वी नेतृत्व ने धो डालने का काम किया। शास्त्री जी ने अपने पूर्ववर्ती नेता नेहरू की कहीं आलोचना नहीं की। उन्होंने शांत रहकर नई लीक पर काम करना आरंभ किया। इससे शास्त्री जी के सुलझे हुए व्यक्तित्व की जानकारी होती है।

युद्ध के उपरांत रूस ने भारत और पाकिस्तान दोनों को अपने ताशकंद नामक शहर में वार्ता के लिए आमंत्रित किया। रूस संघ के प्रमुख कोसिगिन इस वार्ता की मध्यस्थता कर रहे थे। इस वार्ता का सबसे दु:खद अध्याय या मोड़ वह था, जब भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी पर दबाव डालकर उन्हें इस बात के लिए तैयार किया गया था कि वह भारत की सेना द्वारा पाकिस्तान की जीती हुई भूमि को लौटा दें। 10 जनवरी 1966 को यह समझौता हुआ था। शास्त्री जी इस समझौते को लेकर अत्यंत चिंतित और दु:खी थे। चिंतित इसलिए कि देश के लोगों को यह समझौता पसंद नहीं आ रहा था, और दु:खी इस बात के लिए कि उन पर विदेश की भूमि पर दबाव बनाकर उनकी इच्छा और भावना के विपरीत जाकर यह समझौता करवाया गया था।

अभी हाल ही में मेरी संपन्न हुई सासाराम बिहार की यात्रा के दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस की रानी लक्ष्मीबाई रेजीमेंट की लेफ्टिनेंट बिहार की राजधानी पटना में रह रहीं स्वतंत्रता सेनानी श्रीमती आशा सहाय चौधरी के सुपुत्र संजय चौधरी ने शास्त्री जी की मृत्यु के संबंध में कुछ नए रहस्यों की ओर संकेत किया। उन्होंने बताया कि लाल बहादुर शास्त्री जी के सबसे छोटे बेटे उनके सहपाठी रहे हैं। जिससे इस परिवार के साथ उनका घनिष्ठता का संबंध रहा है।

उन्होंने बताया कि जिस समय लाल बहादुर शास्त्री देश के नेता के रूप में ताशकंद समझौता वार्ता में देश का नेतृत्व कर रहे थे, उस समय रूस ने उन पर दबाव बनाकर भारत द्वारा पाकिस्तान के विजित क्षेत्र को लौटाने का दबाव बना दिया था। शास्त्री जी ने दु:खी मन से उस समय ताशकंद समझौते पर भारत की ओर से हस्ताक्षर कर दिए थे। उसके पश्चात उन्होंने रात्रि में अपने घर के लिए फोन मिलाया। उनकी बेटी ने उनका टेलीफोन सुना। कुछ देर बात करने के उपरांत उनकी बेटी ने फोन अपने पति को दे दिया । अपने दामाद से लाल बहादुर शास्त्री जी ने पूछा कि - 'देश का माहौल कैसा है ?' उनके दामाद ने इस ओर से बोलते हुए कहा कि 'देश का माहौल इस समय गरम है।' बात स्पष्ट थी कि देश के लोग भारत के वीर सैनिकों द्वारा जीते गए क्षेत्र को पाकिस्तान को देने के समझौते को अच्छा नहीं मान रहे थे। लाल बहादुर शास्त्री जी जनमानस की भावनाओं का सम्मान करने वाले नेता थे। उन्हें यह भली प्रकार ज्ञात था कि देश के लोग क्या चाहते हैं ? देश की जनभावना का सम्मान करते हुए ही उन्होंने युद्ध काल में तेजस्विता के साथ भारत का नेतृत्व किया था। स्पष्ट है कि जो कुछ ताशकंद में हो गया था, उससे वह स्वयं भी सहमत नहीं थे। इसीलिए मनसा पाप का शिकार बने शास्त्री जी देश के माहौल को जानने की बात कर रहे थे।

दामाद के उत्तर को सुनकर देश के यशस्वी और संवेदनशील प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने तब कहा था कि 'कोई बात नहीं ? आप सब शांत रहें। हम यहां से एक ऐसे व्यक्तित्व को अपने साथ लेकर आ रहे हैं, जिसे देखकर सारा देश गदगद हो जाएगा।' संजय चौधरी जी बताते हैं कि लाल बहादुर शास्त्री जी की इस बात का अर्थ परिवार के लोगों ने यह लगाया था कि रूस उन्हें नेताजी सुभाष चंद्र बोस को सौंपने पर सहमत हो गया था। बहुत संभव है कि रूस के प्रमुख कोसिगिन द्वारा उनसे ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर ही यह कहकर कराये गए हों कि हम आपको नेताजी सुभाष चंद्र बोस को सौंप देंगे? जिसे देखकर आपके देश में प्रसन्नता की लहर दौड़ जाएगी। तब आपके द्वारा इस समझौते पर किए गए हस्ताक्षरों की ओर लोगों का ध्यान नहीं जाएगा।

रूस हमारा चाहे जितना गहरा मित्र रहा हो, परंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सब अपने स्वार्थ के खिलाड़ी होते हैं। इसलिए रूस की मित्रता भी एक सीमा तक ही प्रशंसनीय कही जाएगी। जब अपने स्वार्थ की बात आएगी तो रूस सहित कोई भी देश हमारे साथ खड़ा नहीं होगा। उस समय पश्चिमी देशों की मीडिया में यह प्रचार किया जा रहा था कि रूस के ताशकंद में हो रही भारत पाक वार्ता टूट जाएगी अर्थात पश्चिमी मीडिया इस बात पर बल दे रही थी कि रूस जिस प्रकार भारत पाक को एक साथ बैठाकर समझौता कराने का श्रेय लेना चाहता है , वह उसे मिल नहीं पाएगा। स्पष्ट है कि रूस के नेता कोसिगिन पर यह बहुत भारी दबाव था कि वह जैसे भी हो इस वार्ता को सफल करके दिखाएं। इसके लिए बहुत संभव है कि उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को शास्त्री जी को देने का झूठा वचन देकर ताशकंद समझौता संपन्न करा लिया हो। जब अपना स्वार्थ सिद्ध हो गया तो फिर यहां से आगे शास्त्री जी को हटाने का खेल आरंभ हुआ हो। क्योंकि रूस किसी भी कीमत पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस को लौटाना नहीं चाहता था। इसका कारण यह था कि ऐसा करने से रूस, जापान, ब्रिटेन के कई रहस्यों से पर्दा उठ जाता। संभावना है की रहस्य को रहस्य बनाए रखने के लिए एक नए रहस्य अर्थात शास्त्री जी की हत्या को अंजाम दिया गया हो ?

## नजरिया

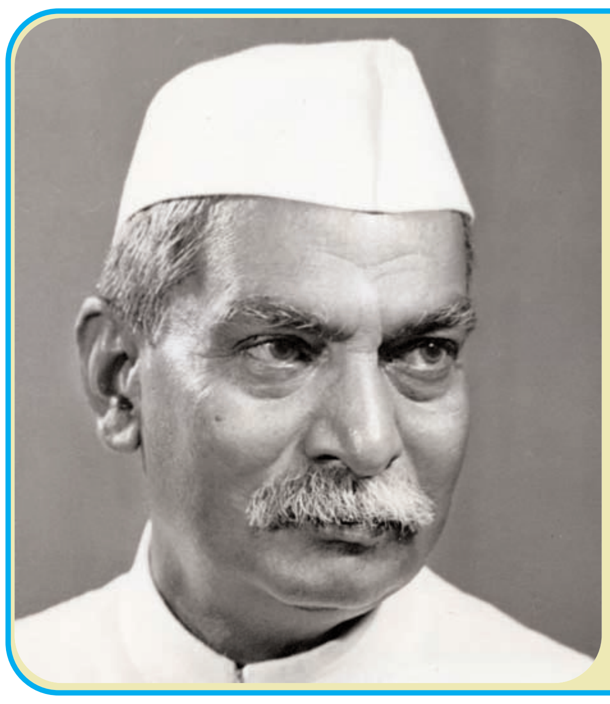

**राजेंद्र बाबू के अनुसार औपनिवेशिक काल में, विदेशी केवल अपने प्रशासन को चलाने के लिए पुरुषों और महिलाओं को तैयार करने में रुचि रखते थे, विशेष रूप से निचले ग्रेड में, और चरित्र निर्माण के लिए वहां कोई स्थान हीं नहीं था। शैक्षणिक संस्थानों में नैतिक शिक्षा के अभाव में, समाज में नैतिक मूल्यों में गिरावट आई है। देश में सभी धर्मों को समान दर्जा दिया गया है। इसका मतलब यह है कि उन मौलिक सिद्धांतों को शामिल किया जाना चाहिए जिन पर सही और गलत टिका हुआ है और जो सभी को स्वीकार्य हैं। विश्वविद्यालयों से डिग्री प्राप्त करने वाले युवक-युवतियों को अच्छे विचारों का प्रसार करके और अपने आचरण से उन लोगों के लिए बेहतर मानक स्थापित करके खुद को आदर्श के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए जो उनकी भांति कम भाग्यशाली रहे हैं।**

# राजेन्द्र बाबू का छात्रों और शिक्षकों के लिए अमृत संदेश

**ई. प्रभात किशोर**

**मोबाइल : 8544128428**

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति थे और उन्होंने इस पद पर सबसे लंबे समय यानी 26 जनवरी 1950 से 13 मई 1962 तक राष्ट्र की सेवा की। वे एक महान स्वतंत्रता सेनानी, तीन बार कांग्रेस के पार्टी अध्यक्ष, अंतरिम केन्द्रीय मंत्रिमंडल में प्रथम खाद्य एवं कृषि मंत्री, संविधान सभा के अध्यक्ष तथा गांधी और पटेल के अनुयायी थे। परन्तु उनके संबंध में सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि वे एक विद्वान शख्सियत थे तथा परलोक गमन के कुछ हीं दिवस पूर्व शिक्षकों और छात्रों के लिए दिया गया उनका अमृत संदेश जीवन में सफलता के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

राजेंद्र बाबू का मानना था कि हमारे विद्यालयों और महाविद्यालयों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में विभिन्न प्रकार के समसामयिक प्रशिक्षण और अनुशासन के पाठ शामिल किये जाने चाहिए ताकि युवावर्ग देश में व्याप्त किसी भी आपातकालीन परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहें। इससे युवाओं में अनुशासन की भावना जागृत होगी और वे दूसरों के साथ मिलकर काम करने में सक्षम होंगे। ये ऐसे गुण हैं जो न केवल सैनिकों के लिए बल्कि उन सभी नागरिकों में भी आवश्यक हैं जो अपने सामाजिक जीवन में प्रगति करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शिक्षण संस्थाओं को अपने विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाना होगा, ताकि वे जीवन में आने वाली सभी कठिनाइयों का सामना करने में सक्षम हो सकें। विश्वविद्यालय की डिग्री प्राप्त करने के लिए विभिन्न विषयों का मात्र सामान्य और विशिष्ट ज्ञान पर्याप्त नहीं है। कोई भी प्रणाली तब तक सफल नहीं कही जा सकती, जब तक वह मनुष्य के सर्वांगीण विकास में सहायक न हो। विद्यार्थी को अपनी ओर से बहुत योगदान करना होता है। शिक्षक केवल माली है और वह बीज बो सकता है, परन्तु जिस व्यक्ति के लिए बीज बोया जाता है, उसमें उसे अंकुरित, विकसित, पुष्पित और फलित करने की क्षमता होनी चाहिए।

राजेंद्र बाबू के अनुसार प्राचीन काल में शिक्षक धनवान नहीं थे, परन्तु समाज में उनका काफी सम्मान होता था। वे विद्वान और चरित्रवान होते थे, जिनके समक्ष धनी और निर्धन, राजा और किसान सभी हाथ जोड़कर बैठा करते थे और न केवल पढ़ने, लिखने और पुस्तकों का अध्ययन करने का ज्ञान प्राप्त करते थे, बल्कि अच्छे चरित्र और अनुशासित जीवन का निर्माण भी करते थे। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच यह संपर्क दिन प्रतिदिन कम होता जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में अनुशासन की कमी हो रही है। शिक्षक और विद्यार्थी के लिए न तो ऐसा माहौल है, न ही ऐसा अवसर कि वे एक दूसरे के प्रति अच्छा व्यवहार करें और अच्छाई की भावना से कार्य करें, जिसके कारण अंततः बुराइयों का बोलबाला हो रहा है। ऐसे विद्यार्थी, जिन्हें उचित प्रशिक्षण नहीं मिला है, जब शिक्षक बनते हैं, तो तमाम व्यवस्थायें ध्वस्त हो जाती है। इसलिए, समाज की आवश्यकता के अनुसार नागरिक तैयार करने हेतु शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए शिक्षक और विद्यार्थी के बीच किसी न किसी रूप में घनिष्ठ संपर्क अत्यंत आवश्यक है।

राजेंद्र बाबू ने चिंता प्रकट किया था कि आवश्यक उपकरणों के बिना संस्थानों की बढ़ती संख्या से लाभ की बजाय हानि अधिक होती है। पर्याप्त तैयारी और उपकरणों के बिना कोई भी संस्थान अपना मूल उद्देश्य पूरा नहीं कर सकता। देश शिक्षा का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की जल्दी में है और वास्तव में हमारा लक्ष्य कम से कम समय में सभी को कम से कम साक्षर बनाना है। इस दिशा में केवल संख्या व मात्रा पर ध्यान देने के कारण गुणवत्ता प्रभावित हुई है, जिसके परिणामस्वरूप माध्यमिक और विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षा के स्तर में गिरावट आई है। समय के साथ शिक्षा के स्तर में यह गिरावट हमारे जीवन के सभी पहलुओं को प्रभावित करेगी और अंततः आगे चलकर देश को नुकसान होगा। प्रारंभिक चरण में कुछ विविधता होनी चाहिए ताकि जो लोग उच्च योग्यता के लिए उपयुक्त हों, चाहे वे सामान्य हों या तकनीकी, उनका चयन किया जाए और बाकी को उस क्षेत्र में जाने दिया जाए जिसके लिए वे उपयुक्त हैं, बजाय इसके कि उच्च शिक्षण संस्थानों में भीड़ लगाई जाए जहां से उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं मिल सकता है।

राजेंद्र बाबू के अनुसार औपनिवेशिक काल में, विदेशी केवल अपने प्रशासन को चलाने के लिए पुरुषों और महिलाओं को तैयार करने में रुचि रखते थे, विशेष रूप से निचले ग्रेड में, और चरित्र निर्माण के लिए वहां कोई स्थान हीं नहीं था। शैक्षणिक संस्थानों में नैतिक शिक्षा के अभाव में, समाज में नैतिक मूल्यों में गिरावट आई है। देश में सभी धर्मों को समान दर्जा दिया गया है। इसका मतलब यह है कि उन मौलिक सिद्धांतों को शामिल किया जाना चाहिए जिन पर सही और गलत टिका हुआ है और जो सभी को स्वीकार्य हैं। विश्वविद्यालयों से डिग्री प्राप्त करने वाले युवक-युवतियों को अच्छे विचारों का प्रसार करके और अपने आचरण से उन लोगों के लिए बेहतर मानक स्थापित करके खुद को आदर्श के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए जो उनकी भांति कम भाग्यशाली रहे हैं। जीवन में कठिनाइयाँ आएंगी और विद्वतजनों को उनका सामना दृढ़ संकल्प और स्वच्छ चरित्र के साथ करना चाहिए । एक प्रलोभन के आगे झुकने से मार्ग में सौ अन्य प्रलोभन सामने आ जाएंगे जिससे काम और भी मुश्किल हो जाएगा। परन्तु अगर कोई प्रलोभन के आगे झुकने से इनकार कर दे, तो सफलता हमेशा हाथ से नहीं जाती।

राजेंद्र बाबू ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि उन्हें न केवल अपने प्रियजनों की, वरन समाज और देश की भी अपेक्षाओं को भी पूरा करना है। ईमानदारी और कार्यकुशलता दोनों ही देश की प्रगति के लिए आवश्यक हैं। विद्यार्थी अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद अपने जीवन का एक अध्याय समाप्त करते हैं और फिर एक नया अध्याय शुरू भी करते हैं। विद्वानों को नए अध्याय को यथासंभव उज्ज्वल बनाना चाहिए और तमाम कठिनाइयों के बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति से ही सफलता मिलती है।

राजेंद्र बाबू भारत भूमि के लिए दैविक वरदान थे। वे जीवन भर सत्य, अहिंसा, देशभक्ति और मानवीय मूल्यों के मार्ग पर चलते रहे। वे न केवल विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए, बल्कि समाज के सभी वर्गों के लिए राष्ट्र निर्माण के प्रतीक बने रहेंगे। उनके विचार और सोच वर्षों तक देश को सदैव आलोकित करती रहेगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# महाशिवरात्रि पर हजारों श्रद्धालुओं ने नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

काठमांडू/भाषा। नेपाल और पड़ोसी भारत से हजारों श्रद्धालु महाशिवरात्रि के अवसर पर पूजा-अर्चना करने के लिए बुधवार को सुबह से ही पशुपतिनाथ मंदिर में उमड़ पड़े। काठमांडू में बागमती नदी के तट पर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में शिवलिंग की पूजा और दर्शन के लिए मंगलवार देर रात से ही लोगों की कतारें लगने लगीं। 'पशुपति क्षेत्र विकास न्यास' (पीएडीटी) के सदस्य सचिव मिलन कुमार थापा ने बताया कि पशुपतिनाथ में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए अधिकारियों ने विशेष व्यवस्था की है।

स्थानीय प्रशासन ने त्योहार के दौरान भांग, गांजा, शराब, मांस और मछली की बिक्री एवं उपभोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंदिर मंगलवार देर रात सवा दो बजे खुला और भक्तों को शिवलिंग के दर्शन के लिए चारों द्वारों से मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई। पशुपतिनाथ मंदिर में बुधवार को नेपाल और भारत से 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।

प्राधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और मंदिर में पूजा-अर्चना के सुचारू संचालन के लिए 4,000 सुरक्षा कर्मियों और 10,000 स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

मुख्य मंदिर और मंदिर परिसर को फूलों, रंग-बिरंगी रोशनियों, कागज के झंडों और बैनरों से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। मंदिर में दर्शन की सुचारू व्यवस्था के लिए अधिकारियों ने मंदिर के अंदर आठ और बाहर चार कतारें लगवाई हैं।

प्राधिकारियों ने भीड़ के प्रभावी प्रबंधन के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए हैं। भक्त मित्रपार्क, गौशाला और पिंगलास्थान जैसे विभिन्न स्थानों से प्रवेश कर सकते हैं, जहां व्यवस्थित पंक्तियों के जरिए सुचारू आवागमन सुनिश्चित किया जाता है। इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर तिलगंगा राम मंदिर से होकर एक अलग मार्ग बनाने की भी तैयारी की गई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बद्री प्रसाद पांडेय की अध्यक्षता में महाशिवरात्रि मुख्य समारोह समिति का गठन किया गया, जो विभिन्न संगठनों के समन्वय से इस अवसर पर श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन, पेयजल और दवाएं उपलब्ध करा रही है। पशुपति विकास न्यास की वरिष्ठ पदाधिकारी रेवती रमण अधिकारी ने बताया कि बुधवार को सुबह साढ़े नौ बजे तक करीब एक लाख 50 हजार श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर चुके थे। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार की सुबह तक यह संख्या 10 लाख को पार कर जाएगी।

अधिकारी ने बताया कि करीब 700 नगा बाबाओं सहित करीब 3,500 साधु भारत से मंदिर पहुंचे हैं। अधिकारी ने बताया कि नगा साधुओं को निःशुल्क भोजन, पानी, स्वच्छता सुविधाएं, आवास और दवाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को साधुओं के वापस जाने से पहले उन्हें दक्षिणा दी जाएगी जिसके तहत अधिकतम राशि 15,000 रुपये दी जाएगी।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर महाशिवरात्रि पर लोग उपवास रखते हैं, शिव मंदिरों में जाते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। महाशिवरात्रि अज्ञानता के अंधकार को ज्ञान के प्रकाश से दूर करने का भी प्रतीक है। महाशिवरात्रि पर पशुपतिनाथ मंदिर में नेपाल, भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों से श्रद्धालु आते हैं। भगवान शिव की पूजा न केवल हिंदू बल्कि बौद्ध और किराती भी करते हैं।

## स्नान

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला के दौरान 'महा शिवरात्रि' के अवसर पर गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाते हुए श्रद्धालु।

# विशाल हिमखंडों के कारण पृथ्वी की प्राचीन चट्टानें नष्ट होने से जीवन के लिए पैदा हुईं और चुनौतियां

पर्थ/एजेन्सी। कल्पना कीजिए कि आप अंतरिक्ष में तैर रहे हैं और एक जमा हुआ सफेद गोला आपको दिखाई दे रहा है। यह एक गेंद जैसा दिखाई देता है, अकेला और चमकदार। दरअसल यह बर्फ की मोटी परत से ढका हुआ एक क्षेत्र है। आप 70 करोड़ वर्ष पहले 'क्रायोजेनियन' काल के समय की पृथ्वी को देख रहे हैं। क्रायोजेनियन काल के दौरान, जब विशाल हिमखंड पृथ्वी पर प्रवाहित हुए, तो हमारा ग्रह गहरी बर्फ में डूब गया।

'जियोलॉजी' में प्रकाशित नए शोध में, हमने दिखाया है कि बर्फ की ये विनाशकारी नदियां, जो कभी-कभी कई किलोमीटर गहरी होती हैं, ग्रह की चट्टानी सतह को विशाल बुलडोजरों की तरह चूर-चूर कर देती हैं। जब बर्फ अंततः पिघली, तो जमीन में मौजूद खनिज बहकर महासागरों में चले गए, जिसकी वजह से चुनौतीपूर्ण और जटिल जीवन की संभवतः नींव पड़ी होगी। 'स्नोबॉल अर्थ' परिकल्पना के अनुसार, क्रायोजेनियन काल में पृथ्वी पर कम से कम दो विशाल वैश्विक हिमनदियां बहीं। इन घटनाओं के निशान विश्व भर में हिमयुगीन परिस्थितियों में निर्मित चट्टानों में देखे जा सकते हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देते हैं कि बर्फ ध्रुवों से फैलकर भूमध्यरेखीय क्षेत्र तक पहुंची। कोई भी निश्चित रूप से नहीं जानता कि इन घटनाओं का कारण क्या था, हालांकि वैज्ञानिकों ने कई संभावनाएं व्यक्त की हैं। एक मुख्य कारण वायुमंडलीय ग्रीनहाउस गैसों, विशेष रूप से कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) में उल्लेखनीय गिरावट हो सकती है। वायुमंडल में सीओ2 का स्तर संभवतः उस समय मौजूद एक बड़े उष्णकटिबंधीय महाद्वीप पर स्थित चट्टानों के बढ़ते विघटन के कारण गिरा होगा। जब महाद्वीप उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में स्थित होते हैं, तो गर्म, नम परिस्थितियां रासायनिक विघटन को तेज करती हैं, सीओ2 को वायुमंडल से बाहर खींचती हैं, इसे कार्बोनेट खनिजों में बंद कर देती हैं। इस अवधि के दौरान महाद्वीपों के टूटने के दौरान हुई टेक्टोनिक गतिविधि ने भी इसमें भूमिका निभाई होगी। इसने उथले समुद्र जैसी परिस्थितियां पैदा की होंगी, जिससे ज्यादा मात्रा में हवा से सीओ2 अलग हुआ होगा। जैसे-जैसे बर्फ की चादरें उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की ओर बढ़ती गईं, उन्होंने अंतरिक्ष में अधिक सूर्य की रोशनी को परावर्तित किया, जिससे और अधिक ठंडक पैदा हुई। इन प्रक्रियाओं के कारण बर्फ तेजी से फैलती गई होगी और ग्रह लगभग पूरी तरह से जम गया होगा। ज्वालामुखीय गतिविधि ने इन हिमयुगों को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई होगी। जैसे-जैसे हिमखंड ग्रह पर फैले होंगे, पृथ्वी की परत, महासागरों और वायुमंडल के बीच का संपर्क धीरे-धीरे कम होता चला गया होगा। नतीजतन, जब ज्वालामुखी विस्फोटों ने वायुमंडल में सीओ2 की मात्रा बढ़ाई, तो इसे फिर से अवशोषित नहीं किया गया, बल्कि यह लाखों वर्षों में जमता चला गया।

सीओ2 के इन उच्च स्तरों ने एक अनियंत्रित ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा किया, जिससे ग्रह गर्म हो गया और अंततः बर्फ पिघल गई। परिणामस्वरूप बर्फ पिघलने से समुद्र का स्तर तेजी से बढ़ा और महासागरों में पोषक तत्वों का प्रवाह हुआ। इस अचानक जलवायु परिवर्तन के दौरान विशिष्ट चट्टानी संरचनाएं निर्मित हुईं। पोषक तत्वों की वृद्धि ने जैविक परिवर्तनों में योगदान दिया होगा, जिसने संभवतः जटिल जीवन के उदय के लिए मंच तैयार किया।

कई वैज्ञानिकों ने इस विचार पर गौर किया है कि 'स्नोबॉल अर्थ' के पिघलने पर वायुमंडलीय परिस्थितियों में बदलाव के कारण महासागरीय रसायन विज्ञान में बदलाव हुए। हमारे नए शोध में, हमने पाया कि पिघलने के दौरान महाद्वीपों से निकलने वाली सामग्री ने भी इसमें भूमिका निभाई होगी। हमने चट्टानों के पुराने से लेकर नए हिस्सों का अध्ययन किया। ऐसा करके, हमने एक तस्वीर बनाई कि ग्लेशियर और उसके बाद की नदी प्रणालियां हमारे ग्रह की सतह पर क्या कर रही थीं। हमने चट्टानों के इन अनुक्रमों पर खनिजों की खोज की और पाया कि जब स्नोबॉल घटनाएं शुरू हुईं और जब हिमखंड पिघलने शुरू हुए तो, उस समयावधि के दौरान लगातार विशिष्ट परिवर्तन हुए। जब ग्लेशियर पिघलते समय पीछे हटते हैं, तो पिघले हुए पानी के बड़े पैमाने पर बहाव से खनिज कण बाहर निकल आते हैं जो बर्फ के नीचे फंस गए थे और स्थिर हो गए थे।

# पाकिस्तान में पाकशाला में सपनों को आकार दे रहे ट्रांसजेंडर समुदाय के छात्र

लाहौर/एपी। पाकिस्तान की एक पाकशाला की खास परियोजना में शामिल ट्रांसजेंडर छात्रों के लिए वहां खाना पकाने की कला सीखना ही सबकुछ नहीं है, बल्कि और भी बहुत कुछ है। नेहा मलिक (31) आजीविका के लिए पार्टियों और शादियों में नृत्य करती थी और वह देह व्यापार में भी संलिप्त थी। जनवरी में उसने 'कलिनेरी एंड होटल इंस्टीट्यूट ऑफ पाकिस्तान' में किन्नर समुदाय के लिए शुरू किए गए एक नये पाठ्यक्रम में दाखिला लिया। पाकिस्तान की सांस्कृतिक राजधानी लाहौर में संचालित किए जा रहे छह महीने के निःशुल्क पाठ्यक्रम में जनवरी में 25 ट्रांसजेंडर छात्रों के पहले समूह ने प्रवेश लिया। 25 छात्रों के दूसरे समूह ने एक फरवरी को प्रशिक्षण शुरू किया।

अब, नेहा दुबई में शेफ के रूप में काम करने का सपना देख रही है। वह कभी भी कोई क्लास नहीं छोड़ती। उसने कहा, मैं सीखने में इतनी डूबी रहती हूं कि मेरे पास अब नृत्य करने का समय नहीं है। रूढ़िवादी मुस्लिम बहुल देश में किन्नर समुदाय को बहिष्कृत माना जाता है। कुछ ट्रांसजेंडर रोजी-रोटी कमाने के लिए भीख मांगने, नाचने और यहां तक कि वेश्यावृत्ति करने के लिए मजबूर हैं। उन पर हमलों का जोखिम भी होता है।

# पोप चिकित्सकों की निगरानी में; अनुयायियों, मित्रों ने विशेष प्रार्थना की

रोम/एपी। पोप फ्रांसिस अब भी अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत नाजुक लेकिन स्थिर बनी हुई है। उन्होंने बुधवार को आराम किया। 'डबल निमोनिया' (दोनों फेफड़े प्रभावित) से ग्रसित पोप के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके अनुयायी, मित्र और शुभचिंतक रोम में जमा हुए तथा विशेष प्रार्थना की। वेटिकन ने सुबह अद्यतन जानकारी देते हुए बताया, पोप ने रात में सुकून से नींद ली और आराम किया।

मंगलवार रात को फ्रांसिस के गृहनगर से कई लोग रोम के अर्जेंटाइन गिरजाघर में जमा हुए और रोम के लिए पोप के पादरी कार्डिनल बालदासारे रीना की अगुवाई में विशेष प्रार्थना की। गिरजाघर के पादरी रेव. फर्नांडो लागुना ने कहा कि उन्हें आशा है कि प्रार्थनाएं जेमेली अस्पताल में भर्ती पोप तक पहुंचेंगी। पोप रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती हैं।

उन्होंने कहा, मैं जेमेली नहीं जा सकता क्योंकि उनके स्वस्थ होने के लिए उनका अलग रहना जरूरी है। मैं जानता हूं कि जब मैं प्रार्थना करता हूं तो मैं उन्हें गले लगाता हूं और वह भी मुझसे गले मिलते हैं।

अब मैं पोप को गले लगाना चाहता हूं। सिस्टर निल्डा ट्रेजो ने कहा कि वह जानती हैं कि फ्रांसिस का स्वास्थ्य हमेशा से नाजुक रहा है। उन्हें सांस लेने में और जोर से बोलने में तकलीफ होती थी, इसलिए वह हमेशा उनके लिए प्रार्थना करती थीं। पूरे शहर से रोमन वासी और अन्य लोग रात की रोजरी' प्रार्थना के लिए 'सेंट पीटर्स स्क्वायर' में इकट्ठा हुए हैं जिसका नेतृत्व फिलिपिनो कार्डिनल लुईस एंटोनियो टैगले करेंगे।

# महाकुंभ में जीवन और आसक्ति के बीच द्वंद्व का हुआ अहसासः प्रीति जिंटा

**महाकुम्भ नगर/एजेन्सी**

महाकुम्भ-2025 के अंतर्गत बुधवार को हुए आखिरी स्नान पर्व पर प्रीति जिंटा ने भावुक कर देने वाला आध्यात्मिक पोस्ट किया। सोशल मीडिया पर उनकी यह पोस्ट कुछ दिन पहले हुई तीर्थराज प्रयागराज की यात्रा से जुड़ी रही जिसमें अध्यात्मिक अनुभूतियों का समावेश रहा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर अपने ऑफिशियल अकाउंट से प्रयागराज महाकुम्भ में अपनी यात्रा से जुड़ा हुआ एक वीडियो शेयर करते हुए अपनी आध्यात्मिक अनुभूति के बारे में विस्तार से लिखा। उन्होने एक्स पर लिखा कुंभ मेले में यह मेरा तीसरा मौका था और यह जादुई, दिल को छूने वाला तथा थोड़ा दुखद था। जादुई इसलिए क्योंकि मैं चाहे जितनी भी कोशिश कर लूं, मैं यह नहीं बता सकता कि मुझे कैसा महसूस हुआ। दिल को छूने वाला इसलिए क्योंकि मैं अपनी मां के साथ गयी थी और यह उनके लिए दुनिया से बढ़कर था। दुखद इसलिए क्योंकि मैं जीवन और मृत्यु के विभिन्न चक्रों से मुक्त होना चाहती थी, लेकिन मुझे जीवन और आसक्ति के द्वंद्व का अहसास हुआ।

जिंटा ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा क्या मैं अपने परिवार, अपने बच्चों और अपने प्रियजनों को छोड़ने के लिए तैयार हूं। नहीं! मैं तैयार नहीं हूं! यह बहुत ही भावुक और विनम्र करने वाला होता है जब आपको यह अहसास होता है कि आसक्ति के तार मजबूत और शक्तिशाली हैं और चाहे आपकी आसक्ति कुछ भी हो, आखिरकार आपकी आध्यात्मिक यात्रा और आगे की यात्रा अकेले ही होगी! मैं इस धारणा के साथ वापस आयी कि हम आध्यात्मिक अनुभव वाले मनुष्य नहीं हैं बल्कि आध्यात्मिक प्राणी हैं जो मानवीय अनुभव कर रहे हैं। इसके आगे मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे विश्वास है, मेरी जिज्ञासा निश्चित रूप से उन सभी उत्तरों की ओर मार्ग प्रशस्त करेगी जिनकी मुझे तलाश है... तब तक, हर हर महादेव।

# शिव भक्ति में लीन रहते हैं अक्षय कुमार

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार की आस्था भगवान शिव में गहरी है। वर्ष 2024 में, अक्षय कुमार ने अपने भक्ति गीत शंभू के साथ गायन में डेब्यू किया, जो पूरी तरह से भगवान शिव को समर्पित था। इस गीत की रिलीज़ के एक साल से अधिक समय बीत जाने के बाद , शंभू ने यूट्यूब पर 50 मिलियन से अधिक व्यूज़ का आंकड़ा पार कर लिया है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। लेकिन सिर्फ शंभू ही नहीं, अक्षय कुमार की भगवान महादेव के प्रति भक्ति को दर्शाने वाले और भी कई उदाहरण हैं। फिल्म 'लक्ष्मी' का गीत 'बमभोले' भी उसी ऊर्जा से भरा हुआ था, जो अक्षय की भगवान शिव के प्रति आस्था को प्रकट करता है। भारतीय पॉप बीट्स, दमदार संगीत और आध्यात्मिकता से सराबोर इस गाने ने खासकर जेन-ज़ी पीढ़ी के बीच खासा लोकप्रियता हासिल की। अक्षय कुमार ने पूरी शक्ति के साथ नृत्य किया, मानो भगवान शिव को प्रसन्न कर रहे हों। उनके जबरदस्त अवतार ने इस गीत की ऊर्जा को और अधिक प्रबल बना दिया, जिससे यह ट्रैक बेहद प्रभावशाली बन गया।

अब 'महाकाल चलो' को इस तरह तैयार किया गया है कि यह दिव्य महाकाल की गर्जना को समाहित करता है। अक्षय कुमार ने इस गीत को पालाश सेन और विक्रम मोंट्रोस के साथ गाया है। यह सिर्फ एक संक्रामक ट्रैक ही नहीं, बल्कि अक्षय कुमार की भगवान शिव के प्रति अपार श्रद्धा का भी शक्तिशाली प्रदर्शन है। इस गीत में अक्षय, शिव की ऊर्जा में पूरी तरह डूबकर शक्ति और भक्ति का अद्भुत संचार करते हैं। उन्होंने कई बार अपनी आस्था के बारे में बात की है और कहा है कि वह लंबे समय से शिव भक्त हैं, और समय के साथ उनकी भक्ति और गहरी होती गई है। अब 'महाकाल चलो' के साथ, अक्षय कुमार ने एक अनोखा ऑडियो-विजुअल अनुभव प्रस्तुत किया है।

अक्षय कुमार की भगवान शिव के प्रति भक्ति सिर्फ संगीत तक सीमित नहीं है। फिल्म 'ओएमजी 2' में उनके किरदार की गंभीरता और संयम को दर्शकों ने खूब सराहा। अब वह अपने तेलुगु डेब्यू 'कन्नप्पा' में भी आध्यात्मिक क्षेत्र में कदम रखने के लिए तैयार हैं। फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह है, और यह 25 अप्रैल 2025 को रिलीज़ होने वाली है। वहीं, 'महाकाल चलो' में अक्षय की अभिव्यक्ति और भगवान शिव के प्रति उनकी श्रद्धा को उनके प्रशंसकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है, और यह गीत दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रहा है।

# एआई, क्लाउड सर्विस इजराइली सेना को बेचने के खिलाफ माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारियों का प्रदर्शन

वाशिंगटन/एपी। इजराइली सेना को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्लाउट कंप्यूटिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए हुए अनुबंधों के विरोध में माइक्रोसॉफ्ट के पांच कर्मचारियों ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ हुई बैठक के दौरान प्रदर्शन किया।

एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने पिछले सप्ताह खुलासा किया था कि हाल में गाजा और लेबनान में हुए युद्ध के दौरान बमों से निशाना बनाने के लिए इजराइल के सैन्य कार्यक्रम के तहत माइक्रोसॉफ्ट के महत्वपूर्ण एआई मॉडलों और ओपनएआई का इस्तेमाल किया गया था। इस खबर में 2023 में लेबनानी परिवार के सदस्यों को ले जा रहे वाहन पर हुए इजराइली हमले के बारे में जानकारी दी गई थी। इस हमले में तीन युवतियों और उनकी दादी की मौत हो गई थी। इजराइल ने कहा था कि उसने गलती से इस वाहन को निशाना बनाया था।

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला वाशिंगटन के रेडमंड में कंपनी के कॉरपोरेट कार्यालय में कर्मचारियों की बैठक में नए उत्पादों के बारे में बात कर रहे थे।

# 'पिंटू की पप्पी' के कलाकारों ने आगरा शहर का दौरा करते हुए फिल्म के प्रचार की शुरुआत की

**आगरा/एजेन्सी**

रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पिंटू की पप्पी' के कलाकारों ने आगरा शहर का दौरा करते हुए फिल्म के प्रचार की शुरुआत की। साल की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पिंटू की पप्पी' ट्रेलर रिलीज से ही दर्शकों के बीच धूम मचा रही है। ट्रेलर को, निस्संदेह दर्शकों और गीतों से ठोस प्रतिक्रिया मिली 'ब्यूटीफुल सजना', 'टाका ताकी' और 'शिवोहम' ने चार्ट पर धूम मचा दी और दर्शकों के बीच भारी चर्चा पैदा कर दी। फिल्म के प्रचार की निरंतरता को जारी रखते हुए, अभिनेता शुशांत ठमके, जान्या जोशी और विधि ने हाल ही में बहुप्रतीक्षित फिल्म के प्रचार के लिए आगरा शहर का दौरा किया।फिल्म के रोमांटिक विषय को ध्यान में रखते हुए, मुख्य कलाकारों ने प्रसिद्ध ताजमहल का दौरा किया।कलाकारों ने 'पिंटू की पप्पी' के प्रसिद्ध गीत पर भी नृत्य किया और दौरे ने फिल्म के अभियान को एक सही शुरुआत दी।

शिव हरे निर्देशित और विधि आचार्य की वी2एस प्रोडक्शन की फिल्म 'पिंटू की पप्पी' 21 मार्च को सिनेमाघरों में विश्व स्तर पर रिलीज हो रही है।मैथरी मूवी मेकर्स समर्थित इस फिल्म में विजय राज, मुरली शर्मा, सुनील पाल, अली असगर, पूजा बनर्जी, अदिति सांवाल, रिया एस सोनी, उर्वशी चौहान, प्युमोरी मेहता दास, मुक्तेश्वर ओझा और गणेश आचार्य सहित कई शानदार कलाकार हैं।

# सितारों ने प्रशंसकों को महाशिवरात्रि की बधाई दी

**मुंबई/एजेन्सी**

फिल्मीं सितारों ने आज अपने प्रशंसकों को महाशिवरात्रि की बधाई दी है। पूरे देश में आज महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित दिन महाशिवरात्रि के अवसर पर आम लोगों के साथ ही फिल्म जगत के कई सितारे भी भक्ति में लीन हैं। सितारों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर प्रशंसकों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी है। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर लिखा, ओम नमः शिवाय, ओम नमः शिवाय, ओम नमः शिवाय, आप सभी को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं। अक्षय कुमार ने अपने एक्स हैंडल पर भगवान शिव का एक मोशन पोस्टर शेयर कर लिखा, शिव ही सृजन, शिव ही संहार, शिव से ही संसार। इस महाशिवरात्रि, भगवान शिव का आशीर्वाद हमें शक्ति, ज्ञान और मन की शांति की ओर ले जाए। जय महाकाल! करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर भोलेनाथ का एक तस्वीर शेयर कर लिखा, भोलेनाथ की कृपा जीवन से सभी बुराइयों को दूर करे।

अजय देवगन ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शिव की एक तस्वीर के साथ लिखा, ऊं नमः शिवाय। अभिनेत्री मौनी रॉय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर हर महादेव, शुभ महाशिवरात्रि।अभिनेत्री-सांसद कंगना रनौत ने एक्स पर पोस्ट करते हुए महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दीं। सुनील शेट्टी ने भी एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया है, जिसमें ध्यान करते हुए दिखे। उन्होंने कैप्शन में लिखा 'शिव के प्रति समर्पित हो जाइए, सब कुछ आपको मिल जाएगा।' महाशिवरात्रि पर विक्की कौशल ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है। कैप्शन में लिखा है, 'ॐ नमः पार्वती पतये हर हर महादेव।वरुण धवन भी भक्ति के रंग में सराबोर नजर आए और एक वीडियो शेयर कर सभी को शिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। अनुपम खेर ने भी प्रशंसकों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया। उन्होंने उज्जैन स्थित बाबा महाकाल के एक वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं! हर हर महादेव। गायक कैलाश खेर ने महाशिवरात्रि के अवसर पर अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में वह रुद्राक्ष की माला पहने और साथ में डमरू लिए ध्यान लगाए दिखे। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, जो नाथों के नाथ कहाए, याचक भूति बेल चढ़ाते। जातक झूम-झूम के गाते ओमकारा, ओमकारा। मौनी रॉय ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर हर महादेव, शुभ महाशिवरात्रि।अदा शर्मा ने महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव तांडव स्तोत्र सुनाया और प्रशंसकों को खास अंदाज में शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए अदा शर्मा ने कैप्शन में लिखा, आप सभी को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं।शेयर किए गए वीडियो में वह 'शिव तांडव स्त्रोत' प्रस्तुत करती नजर आईं। अदा ने स्त्रोत को अपनी आवाज दी है। सोहा अली खान ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कश्मीर के पारंपरिक त्योहार 'हेरथ' के साथ महाशिवरात्रि का पूजन करती नजर आईं। वीडियो में सोहा के पति कुणाल खेमू और बेटी इनाया हवन-पूजन करते नजर आए।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर में अपनी पदयात्रा के दौरान वाणी विलास सागर बांध के समीप श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जीवन में सब कुछ मिल सकता है, लेकिन जब तक सद्गुरु न मिलें, तब तक सब अधूरा है।

# तेरापंथी महिलाओं ने केक व बैकिंग आइटम बनाने का लिया प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार आरआर नगर महिला मंडल के तत्वावधान में 'उड़ान' सुनहरा भविष्य के तहत एक कदम स्वावलंबन की ओर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी ने सभी का स्वागत किया। सह संयोजिका निशा छाजेड ने प्रशिक्षिका शिप्रा कोठारी का परिचय दिया। कोठारी ने महिलाओं को बैंकिंग आइटम व केक बनाने का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने गैस व ओवन से बनने वाले केक के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षिका शिप्रा का सम्मान किया गया। मंत्री पदमा मेहर ने सभी 70 प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका जया सामसुखा ने किया।

## शिवपूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

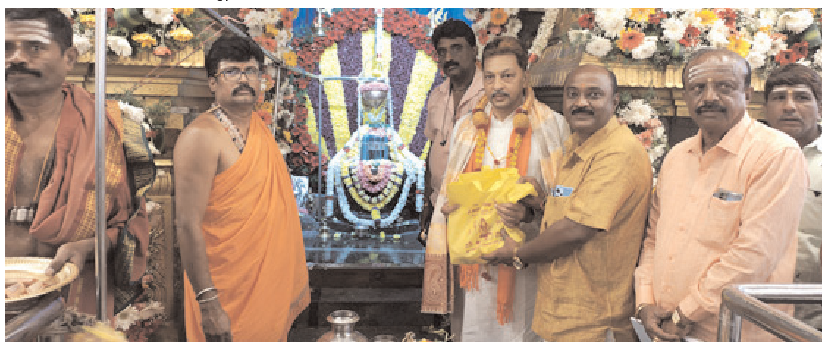

बेंगलूरु के बापूजीनगर के वीरेश्वर देवस्थान में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष पूजा महोत्सव में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि शिव का भाव ही कल्याण है। मंदिर के पदाधिकारियों ने मुणोत को सम्मानित किया गया।

# श्रेयांश पारणा समिति द्वारा वर्षीतप पारणा महोत्सव 30 अप्रैल को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रेयांस पारणा समिति द्वारा श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन श्रमणी सेंटर में संचालित वर्षीतप आराधकों के एकांतर पारणा के पश्चात बुधवार के पारणे के लाभार्थी सुकनराज सोहनलाल जेवंतराज मुकेशकुमार मुणोत परिवार का सम्मान किया गया। राजेन्द्रकुमार नाहर, महावीरचंद श्रीश्रीमाल, जेके महावीरचंद चौरड़िया, महेंद्रकुमार चौरड़िया, रमेशकुमार गुगलिया, रोशनलाल नाहर, कोमलचंद धोका ने तपस्वियों के एकांतर पारणा की सेवा एवं अनुमोदना का लाभ लिया। इस अवसर पर गौतमचंद पुनमिया, मुकेश सिसोदिया, चिराग गुगलिया, जयेश कटारिया, मोहित सुराणा, विकास गुगलिया ने भी सेवाएं दी। समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल एवं सह चेयरमैन मीठालाल लोढा ने बताया कि श्रेयांस पारणा समिति द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर 30 अप्रैल को वर्षीतप आराधकों का पारणा महोत्सव का आयोजन आचार्य पार्श्वचंद्रजी एवं डॉ. पदमचंद्रमुनिजी आदि के साधु साध्वियों के सान्निध्य में पैलेस ग्राउंड स्थित त्रिपुरा वासिनी के प्रांगण में होगा।

इस अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव में 160 स्थानीय वर्षीतप आराधकों सहित विभिन्न नगरों से मिलाकर लगभग 250 तपस्वियों का पारणा संपन्न होगा।

## मुलाकात एवं आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व मे उपाध्यक्ष मुकेश सुराना, सुरक्षा व्यवस्था सह चेयरमैन महावीर दक, कार्यकारिणी सदस्य अनिल बंट, आतिश धोका, हितेश कांकलिया ने पुलिस आयुक्त बी दयानंद से मुलाकात कर श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव आयोजन हेतु आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था हेतु निवेदन किया तथा कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण किया। जन्म कल्याणक महोत्सव 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में आयोजित है। पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने जैन समाज एवं संगठन द्वारा किए जा रहे मानव कल्याण कार्यों की सराहना के साथ ही प्रभु महावीर जन्म कल्याणक निमित सुरक्षा व्यवस्था के लिए तत्पर रहने का आश्वासन दिया।

# 'सद्गुरु जीवन को पूर्णता की ओर ले जाते हैं'

## आचार्यश्री बुद्धिसागरसूरीश्वर की 152 वीं जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसदुर्गा/हिरियूर। शहर में अपनी पदयात्रा के दौरान वाणी विलास सागर बांध के समीप श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जीवन में सब कुछ मिल सकता है, लेकिन जब तक सद्गुरु न मिलें, तब तक सब अधूरा है। सद्गुरु जीवन को पूर्णता की ओर ले जाते हैं। वे सौभाग्य से मिलते और फलीभूत होते हैं। कोई राजा हो या रंक, सभी को सद्गुरु की आवश्यकता रहती है। हमारी अज्ञानदशा को दूर करने गुरु ज्ञान का अंजन कराते हैं। जन्मोजनम की कुवृत्तियों को वे मिटा देते हैं। पूरे समर्पणभाव से अपनी योग्यता बनाते हुए जीवन में सद्गुरु की खोज करते रहना चाहिए। जिस दिन गुरु मिल जाएं, मानों जन्म सफल हो गया। जैनाचार्य ने आचार्यश्री बुद्धिसागरसूरीश्वरजी के जयंती के मौके पर कहा कि गुजरात के पटेल हिन्दू परिवार में जन्में आचार्य बुद्धिसागरसूरीश्वरजी अनेक उपलब्धियों के निधान निःस्पृह जैनाचार्य थे। उनके जीवन की गहराईयों को देखकर स्पष्ट लगता है कि वे कुछ लेने नहीं, संसार को सत्व, शिक्षा, संस्कार और साधना देने आए थे। उनके रग-रग में ज्ञान और भक्ति का निधान था। महाशिवरात्रि के दिन उनका जन्म हुआ था। बुधवार को देश में जगह-जगह उनकी 152 वीं जयंती श्रद्धा-भक्ति पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर हिरियूर, होसदुर्गा, चलकेरे, बेल्लारी, बेंगलूरु आदि अनेक संघों के भक्तजनों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रमण परिवार ने उनके लोककल्याणकारी भजनों की सामूहिक प्रस्तुतियां दी। संगीतमय मंत्रजाप किए गए। उनके साहित्य पर परिसंवाद आयोजित किया गया। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि आचार्य बुद्धिसागरसूरीश्वरजी ने गुजरात के बरोडा और अंबाजी में बलिप्रथा बंद करवाई थी। कन्याओं की बिक्री की कुप्रथा मिटाने के लिए उन्होंने एक पुस्तक लिखी थी। मृत्युभोज को बंद करवाकर उन्होंने समाज को सही दिशा दी थी। शताब्दी पहले जगह-जगह उनकी प्रेरणाओं से सेनिटोरियम, हॉस्टल और विद्यलयों के निर्माण हुए। समाज के समान्यवर्ग के लिए उन्होंने श्रीमंत वर्ग को खूब काम में लगाया।

इसके लिए महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, लोकमान्य तिलक और तत्कालीन साधु-संतों ने उनके बहुत यशोगान किए है। वे सचमुच समाज उद्धारक विरल संत थे।

# सम्पूर्ण मनोकामना को पूर्ण करने वाले हैं भगवान शिव : पुण्डरीक कृष्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित सिंधी पंचायत धर्मशाला में चल रही शिव महापुराण की कथा के पंचम दिवस कथा व्यास बालशुकश्री पुण्डरीककृष्ण महाराज जी ने शिव बारात का वर्णन करते हुए कहा कि शिव बारात अतिशय निराली थी,जहाँ संसार के दूल्हे घोड़े पर चढ़ कर जाते हैं, वहीं महादेव नन्दी पर सवार होकर गए। कथा वाचक ने बताया कि घोड़ा काम का प्रतीक है,परन्तु बैल धर्म का प्रतीक है। शिव अशरण शरणदाता हैं, जिन्हें कोई अपने विवाह बारात में नहीं लेकर जाना चाहता, भोलेनाथ उन भूत, प्रेत सांप, बिच्छू आदि को अपनी बारात में लेकर चले,जहाँ बारात में सम्पूर्ण देव समाज महादेव से अलग होकर गमनशील हुआ वहाँ उनका स्वयं का शिव समाज ही काम आया। साथ ही कथा व्यास जी ने बताया परम वैष्णव भगवान शिव सम्पूर्ण मनोकामना को पूर्ण करने के साथ समृद्धि,वैष्णवता एवं भक्ति के प्रदाता हैं। भक्ति ही मनुष्य को अनुशासित कर सकती है,सुसंस्कारित राष्ट्र के लिए प्रत्येक व्यक्ति को मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम के जीवन शैली को ग्रहण करना एवं धर्म रक्षा के लिए धर्मध्वज भगवान शंकर के समान श्री राम भक्ति के प्रति एकनिष्ठ एवं समर्पित होना आवश्यक है। इस मौके पर आशा राकेश भारद्वाज, चौथमल पंसारी, मोहन देवासी, कैलाश पंवार, दीपक असरानी एवं सेवा में किशन गंगवानी उपस्थित रहे । मन्दिर में धूमधाम से शिवपूजन के साथ ठंडाई एवं प्रसाद का वितरण हुआ।

# मंड्या में हुआ साध्वी पावनप्रभा व सिद्धप्रभा का आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वीश्री पावनप्रभाजी एवं साध्वी सिध्दप्रभाजी का आध्यात्मिक मिलन हुआ। इस आध्यात्मिक मिलन के दौरान दोनों वर्गों ने भावपूर्ण गीतिका का गान किया। तत्पश्चात रैली के साथ साध्वीवृद्ध का मण्डिया तेरापंथ भवन में पदार्पण हुआ। कार्यक्रम में आठ साध्वियों ने मंगलाचरण किया। अध्यक्ष सुरेश भंसाली ने स्वागत किया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने कहा कि आज का यह उत्साह, खिलते हुए फूल, मुस्कुराते हुए चेहरे प्रसन्नता की अनुभूति कर रहे हैं। मंड्या भवन के इस प्रागंण में भैक्षवशासन में समंदर की दो नदियों का संगम हो रहा है। साध्वी सिद्धप्रभाजी और हमारा इन कई वर्षों में साथ रहने का अवसर मिला है। साध्वी सिध्दप्रभाजी से हमारा मिलन दूध और मिश्री का मिलन है विनय और वात्सल्य का मिलन है।

साध्वी आत्मयशाजी, आस्थाप्रभाजी, मलययशाजी, रम्यप्रभाजी, दीक्षाप्रभाजी ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन साध्वी उन्नतयशाजी ने किया । कार्यक्रम में ज्ञानशाला, युवक परिषद, महिला मंडल व संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। मंत्री विनोद भंसाली ने धन्यवाद दिया।

## कलह से बचिए और मधुर-व्यवहार को जीवन में जोड़िए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ईटा जैन स्थानक मागड़ी रोड में विराजित श्री शिविराचार्यश्री विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि कलह की शुरुआत ईर्ष्या, द्वेष या क्रोध अहंकार से शुरु होती है। भाव हिंसा में उग्रता बढ़ती जाती है। आज की शिक्षा का मूल उद्देश्य ही 'अर्थ' का है। परस्पर भाषा में मिठास-सेवा तथा मन की मैत्रीमय उत्तम सोच हो तो युवा पीढ़ी में उत्तम असर पड़ता है। यश, कीर्ति के लिए नाम के लिए अर्थ विसर्जन सच्चा पुण्य ही नहीं है। क्रोध से इस भव का जीवन तथा आगामी जन्म दोनों बिगड़ते है। जोश में होश नहीं खोता है, इन्सान का साहस सदैव बनाए रखना चाहिए। हमारे पूर्वजों ने भी कहा है तोल-मोल के बोल, मन के दरवाजे खोल शब्दों का सही प्रयोग न केवल हमारे अपितु सुनने वाले के जीवन को भी बदल सकता है। कलह से बचिए और मधुर-व्यवहार को जीवन में जोड़िए।

# जीतो पगारिया जेबीएन वी प्रिन्यूर्स की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो पगारिया जेबीएन वी-प्रिन्यूर्स ने जीतो कार्यालय में बैठक का आयोजन किया। बैठक में मार्केटिंग एवं सेल्स विशेषज्ञ हर्षिका बैद तथा कंटेंट क्रिएटर व वक्ता कनिष्का बैद ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों क्षेत्रों में मार्केटिंग रणनीतियों को बेहतर बनाने हेतु अमूल्य सुझाव प्रदान किए। उन्होंने संभावित ग्राहकों से जुड़ने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया और उपस्थित सभी से आग्रह किया कि तुरंत ही इन रणनीतियों को अपनाना प्रारंभ करें। यह सत्र व्यवसायों को न केवल सही मानसिकता बल्कि आवश्यक व्यावहारिक उपकरणों से भी सुसज्जित करने का प्रयास था, जिससे वे निरंतर प्रगति कर सकें। इसके अलावा सदस्याओं 30-सेकंड में अपने अपने व्यापार के बारे में बताया। बैठक का संयोजन रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी, रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा ने किया। इसके अलावा विशिष्ट उपलब्धियों के लिए अंजू पारेख, मीतु जैन, चेतना जैन का सम्मान किया गया तथा अतिथि वक्ताओं का सम्मान किया गया।

# व्यक्ति को कभी भी अपनी असलियत नहीं छोड़नी चाहिए : समकितमुनि

## विजयनगर स्थानक में हुआ जैन कॉन्फ्रेन्स के पदाधिकारियों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक भवन में विराजित वरिष्ठ उपाध्याय विशालमुनिजी के आज्ञानुवर्ति गुरुदेव डॉ समकितमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि व्यक्ति को कभी अपनी असलियत छोडकर कर दूसरों की नकल नहीं करनी चाहिए। उन्होंने अनेक उदाहरणों व दृष्टांत के माध्यम से समझाया कि यह दुःखों का कारण तो बनता ही है,पर इसके साथ व्यक्ति की अपनी अहमियत, विशिष्ट पहचान तथा अपनी संस्कृति अपने वैभव सब कुछ खो देता है।

संघ के अध्यक्ष आनंद कुमार नाहर ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने इस अवसर पर संत दर्शनार्थ आए जैन कान्फ्रेंस के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रान्तीय अध्यक्ष प्रकाशचंद बुरड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, महामंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया, मंत्री दिनेश पोरवाड, प्रांतीय युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली, राजाजीनगर संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, श्रीरामपुरम संघ अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया, वरिष्ठ श्रावक सुआलाल दक, पत्रकार गौतमचंद ओस्तवाल, अम्बेश गुरु सेवा समिति के युवा अध्यक्ष हंसमुख मारू, विजय नगर युवा अध्यक्ष शंकरलाल दक, मंत्री महावीर गुगलिया आदि का सम्मान किया तथा जैन कांफ्रेंस के सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## अभिषेक महोत्सव

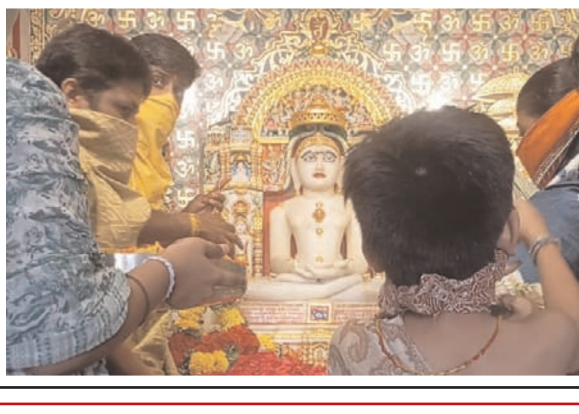

मैसूर के वासुपूज्य स्वामी जैन दादावाड़ी के प्रागंण में श्री वासुपूज्यस्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर परमात्मा का विविध औषधियों द्वारा अभिषेक किया गया। बाबूलाल कैलाशकुमार बागरेचा परिवार ने अभिषेक का लाभ लिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com